RNI-UPHIN/2009/30721

सोमवार 11 अगस्त 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :49 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 05 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अमेरिकी दादागिरी पर मोदी की ललकार

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 297 | गाजियाबाद, सोमवार 11 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

उपलब्धियों का परचम लहरा रहा है अपना देश

● पीएम मोदी का ट्रम्प को डेड इकोनॉमी कहने पर जवाब

कहा-भारत अब तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनका नाम लिए बिना जवाब दिया। मोदी ने बेंगलुरु में कहा- भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती इकोनॉमी है। हम 10 वें नंबर से टॉप 5 में आ गए हैं। जल्द ही टॉप 3 में आएंगे। ये ताकत रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म से मिली है। देश की उपलब्धियों का परचम आसमान में लहरा रहा है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 31 जुलाई को भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाते हुए भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया था। ट्रम्प ने कहा था- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पीएम मोदी ने कहा- भारतीय सैनिकों की आतंकियों और पाकिस्तान को घुटने में लाने की क्षमता को पूरी दुनिया ने देखा है। इसकी सफलता के पीछे हमारी टेक्नॉलॉजी और मेक इन इंडिया की ताकत है। इसमें बेंगलुरु के युवाओं का भी बहुत योगदान है। पीएम आज कर्नाटक के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने बेंगलुरु के केएसआर रेलवे स्टेशन पर 3 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें बेंगलुरु से बेलगावी, अमृतसर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा और नागपुर (अजनी) से पुणे तक की ट्रेनें शामिल हैं। पीएम ने बेंगलुरु और राज्य के लिए कई विकास कार्यों का शुभारंभ और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। पीएम ने बेंगलुरु मेट्रो की यलो लाइन का भी उद्घाटन किया। जो आरवी रोड (रगिगुड्डा) से बोम्मसंद्रा तक जाएगी। यलो मेट्रो लाइन के आने लाखों लोगों को फायदा होगा। आज ऑरेंज लाइन का भी शिलान्यास किया। इसके शुरू होने के बाद यलो और ऑरेंज मेट्रो लाइन से 25 लाख लोगों को फायदा होगा। बेंगलुरु मेट्रो के लिए इन्फोसिस समेत कई बड़ी कंपनियों ने फंडिंग की।

● यलो मेट्रो लाइन से मेट्रो नेटवर्क 96 किलोमीटर हो जाएगा

यलो मेट्रो लाइन की लंबाई 19.15 किलोमीटर है और इसमें 16 स्टेशन हैं। इस प्रोजेक्ट पर करीब 7,160 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इन हाई-स्पीड ट्रेनों से यात्रियों को तेज, आरामदायक और आधुनिक सफर का अनुभव मिलेगा और यात्रा समय में बड़ी कमी आएगी। यलो लाइन शुरू होने के बाद बेंगलुरु मेट्रो का कुल नेटवर्क 96 किलोमीटर से ज्यादा हो जाएगा, जिससे लाखों यात्रियों को फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री खुद इस मेट्रो में सफर भी करेंगे और आरवी रोड से इलेक्ट्रॉनिक सिटी तक की यात्रा करेंगे। पीएम मोदी बेंगलुरु मेट्रो फेज-3 का शिलान्यास भी करेंगे। इसकी लागत 15,610 करोड़ रुपए है। इसकी लंबाई 44 किलोमीटर से ज्यादा है। इसमें 31 स्टेशन है। यह प्रोजेक्ट शहर के रिहायशी, इंडस्ट्रियल, कारोबारी और शैक्षिक इलाकों को जोड़ेगा।

राहुल ने 'वोट चोरी' के खिलाफ शुरु किया मिस्ड कॉल अभियान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' को लोकतंत्र पर हमला करार देकर हुए इस मुद्दे पर और आक्रामक रुख अपनाते हुये इसके खिलाफ मिस्ड कॉल सार्वजनिक अभियान शुरू किया है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर रविवार को फोन नंबर 9650003420 जारी कर वोट चोरी के खिलाफ जन समर्थन हासिल करने के लिए लोगों से मिस्ड कॉल करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा 'वोट चोरी 'एक व्यक्ति, एक वोट' के बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांत पर हमला है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए साफ़-सुथरी मतदाता सूची अनिवार्य है। चुनाव आयोग से हमारी मांग साफ़ है-पारदर्शिता दिखाएं और डिजिटल मतदाता सूची सार्वजनिक करें, ताकि जनता और राजनीतिक दल उसका खुद ऑडिट कर सकें।' श्री गांधी ने जनता से इस मुहिम में शामिल होने की अपील करते हुए कहा 'आप भी हमारे साथ जुड़ कर वोट चोरी के खिलाफ लड़ाई में हमें अपना समर्थन दें और वोटचोरी.इन/एकडिमांड पर जाएं या 9650003420 पर मिस्ड कॉल दें। यह लड़ाई लोकतंत्र की रक्षा की है।'

मोदी ने बेंगलुरु में तीन वंदे भारत का किया शुभारंभ, येलो मेट्रो लाइन का किया उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली/बेंगलुरु ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलुरु में आरवी रोड को बोम्मासंद्रा से जोड़ने वाली नम्मा मेट्रो की बहुप्रतीक्षित येलो लाइन का उद्घाटन किया और विश्तारित बेंगलुरु-बेलगावी सेवा सहित तीन वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा तैयार 2011 की विश्तृत परियोजना रिपोर्ट के मुताबिक 19.15 किलोमीटर लंबे येलो लाइन कॉरिडोर का निर्माण 2017 में शुरू हुआ लेकिन इसे अनेक विलंबों का सामना करना पड़ा। शुरुआत में इसे दिसंबर 2021 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन भूमि अधिग्रहण संबंधी दिक्कतों, कोविड-19 महामारी और चीनी रोलिंग स्टॉक निर्माता सीआरआरसी नानजिंग से आपूर्ति में देरी के कारण परियोजना में बाधा उत्पन्न हुई।

इंडिया गठबंधन के सांसदों का चुनाव आयोग तक मार्च

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर वोट चोरी कराने के आरोप के बाद इंडिया गठबंधन के नेता सोमवार को संसद से निर्वाचन कार्यालय तक मार्च करेंगे। इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक दल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का सीधा आरोप है कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर वोट चोरी करवा रहा है और भाजपा को फायदा पहुंचा रहा है। श्री गांधी के आवास पर पिछले सप्ताह आयोजित डिनर में इस विषय पर चर्चा के बाद तय हुआ था कि गठबंधन दलों के सांसद इस मुद्दे पर संसद भवन से चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च करेंगे। मार्च का आयोजन सोमवार 11 अगश्त को हो रहा है। इससे पहले संसद की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व सुबह संसद भवन परिसर में विपक्ष के नेता के कक्ष में गठबंधन के नेताओं की बैठक होगी जिसमें संसद से चुनाव आयोग तक मार्च करने को लेकर चर्चा होगी।

ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख चार दिवसीय भारत यात्रा पर

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट, भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च शतरीय बातचीत के लिए 10 से 14 अगश्त तक भारत यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को और अधिक मजबूत करना है।

इंडिया गठबंधन के सांसदों का चुनाव आयोग तक मार्च

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर वोट चोरी कराने के आरोप के बाद इंडिया

गठबंधन के नेता सोमवार को संसद से निर्वाचन कार्यालय तक मार्च करेंगे।

इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक दल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का सीधा आरोप है कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर वोट चोरी करवा रहा है और भाजपा को फायदा पहुंचा रहा है। श्री गांधी के आवास पर पिछले सप्ताह आयोजित डिनर में इस विषय पर चर्चा के बाद तय हुआ था कि गठबंधन दलों के सांसद इस मुद्दे पर संसद भवन से चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च करेंगे।

मार्च का आयोजन सोमवार 11 अगश्त को हो रहा है। इससे पहले संसद की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व सुबह संसद भवन परिसर में विपक्ष के नेता के कक्ष में गठबंधन के नेताओं की बैठक होगी जिसमें संसद से चुनाव आयोग तक मार्च करने को लेकर चर्चा होगी। बताया जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के नेता संसद भवन परिसर में पिछले सप्ताह की तरह प्रदर्शन भी करेंगे।

न्याय लोगों के दरवाजे तक पहुंचे, सत्ता के गलियारों में न सिमटे : सीजेआई

✷ वेबवार्ता. ईटानगर ✷

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने रविवार को कहा कि न्याय सिर्फ सत्ता के गलियारों तक सीमित न रहे, बल्कि तेजी और कम खर्च में सीधे जनता के दरवाजे तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका का असली मकसद जनता की सेवा है। गौहाटी हाईकोर्ट की ईटानगर स्थायी पीठ के नए भवन के उद्घाटन के बाद न्यायमूर्ति गवई ने कहा, मैं हमेशा विकेंद्रीकरण का समर्थक रहा हूं। न्याय लोगों के दरवाजे तक पहुंचना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालतें, न्यायपालिका या विधायिका किसी शासक वर्ग, जजों या कार्यपालिका के सदस्यों के लिए नहीं, बल्कि जनता के लिए हैं। देश आगे बढ़े पर संस्कृति-परंपरा की कीमत पर नहीं अरुणाचल प्रदेश की 'एकता में विविधता की मिसाल देते हुए न्यायमूर्ति गवई ने बताया, राज्य में 26 प्रमुख जनजातियां और 100 से अधिक उप-जनजातियां हैं, जिनकी परंपराओं और संस्कृति को संरक्षित व प्रोत्साहित करने के लिए सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा, देश को आगे बढ़ना चाहिए, लेकिन हमारी संस्कृति और परंपराओं की कीमत पर नहीं। संविधान के तहत यह हमारा मूल कर्तव्य है कि हम इन्हें संरक्षित रखें।

न्याय को आम लोगों के लिए आसान बनाना जरूरी : रिजिजू

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस मौके पर कहा, न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना बेहद जरूरी है ताकि न्याय सुलभ, त्वरित और जनहितैषी बन सके। उन्होंने कहा, न्याय केवल अदालतों की चारदीवारी में सीमित न रहे, बल्कि आम लोगों तक आसानी से पहुंचे। उन्होंने कहा, हमें आम लोगों के लिए न्याय को आसान बनाना है और जनता व न्याय के बीच की दूरी घटानी है।

मोदी सरकार के सुधारों का जिक्र करते हुए रिजिजू ने बताया कि ब्रिटिश काल में बने 1,500 से अधिक अप्रासंगिक व पुराने कानून खत्म किए गए हैं, जो आम जनता के लिए परेशानी पैदा करते थे। देशभर में लंबित पांच करोड़ से अधिक मामलों पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा, ई-कोर्ट और संबंधित ढांचे के लिए केंद्र सरकार ने सात हजार करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्व राष्ट्रपति वीवी गिरि को दी श्रद्धांजलि

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार तो भारत के पूर्व राष्ट्रपति वीवी गिरि की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में वीवी गिरि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया। प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा गया, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति वीवी गिरि की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।" देश के चौथे राष्ट्रपति वीवी गिरि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक महत्वपूर्ण नेता और श्रमिक आंदोलनों का प्रमुख चेहरा थे।

उनका जन्म 10 अगश्त 1894 को ओडिशा के बेरहामपुर में हुआ था। एक शिक्षित और जागरूक परिवार में जन्म लेने के कारण गिरि का प्रारंभिक जीवन से ही शिक्षा और राजनीति की ओर झुकाव था। उनकी शिक्षा डबलिन, आयरलैंड में हुई थी जहां उन्होंने कानून की पढ़ाई की। डबलिन में रहते हुए वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रति जागरूक हो गए और वहां के छात्र आंदोलनों में भाग लेना शुरू कर दिया। उनके इस रुख ने उन्हें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रेरित किया। वह महात्मा गांधी से प्रभावित होकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए और स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई।

गिरि का प्रमुख योगदान भारतीय श्रमिक आंदोलनों में देखा गया। वे अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के संस्थापक सदस्य थे और श्रमिकों के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करते रहे। गिरि ने भारत में ट्रेड यूनियन आंदोलन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और श्रमिकों के अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठाते रहे।

अब बिहार डिप्टी सीएम के भी दो वोटर-कार्ड सामने आए

● तेजस्वी बोले-या तो चुनाव आयोग ने किया फर्जीवाड़ा या विजय सिन्हा फर्जी हैं

पटना (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बाद अब डिप्टी ष्टरू विजय सिन्हा के भी दो ईपिक नंबर मिले हैं। मतदाता सूची में विजय सिन्हा का लखीसराय और पटना के बांकीपुर विधानसभा के नाम से ईपिक नंबर दर्ज है। हालांकि, डिप्टी सीएम ने 2020 के एफिडेविट में अपनी उम्र-54 और एड्रेस- एग्जीबिशन रोड, स्थित पुष्प बिहार अपार्टमेंट के बगल में मां भवानी शारदालय, पटना बताया था। ये एड्रेस दोनों ही वोटर आईडी कार्ड पर नहीं है। इसे लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। तेजस्वी ने कहा- विजय कुमार सिन्हा का दो ईपिक नंबर है। वो भी दो विधानसभा क्षेत्रों में, जिनमें उम्र भी अलग अलग है। तेजस्वी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस ने दौरान ऑफिशियल वेबसाइट पर दोनों ईपिक को ऑनलाइन चेक कर दिखाया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिजली चली गई। इस पर तेजस्वी ने कहा,ये वही मुख्यमंत्री जी का बिजली फ्री है क्या। तेजस्वी यादव ने कहा, जो हम लोग एसआईआर को लेकर आरोप यही न लगा रहे हैं। या तो विजय सिन्हा ने दो जगह जाकर साइन किया होगा। या तो ईसी ने फर्जीवाड़ा किया है।

वृंदावन में मचेगी धूम, शुरू हो गई जन्माष्टमी की तैयारी

● कृष्णा जन्माष्टमी तक लगभग 60 लाख भक्त पहुंचेंगे वृंदावन ● शहर के 750 से ज्यादा होटल-धर्मशाला एडवांस में हुए बुक

मथुरा (एजेंसी)। 16 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी है। अगले 6 दिनों में करीब 60 लाख भक्त वृंदावन और मथुरा पहुंचेंगे। शहर के 750 से ज्यादा होटल-धर्मशाला एडवांस में बुक हैं। जन्माष्टमी से पहले वृंदावन में तैयार श्रीकृष्ण की पोशाकों की अचानक डिमांड हाई हो गई है। जन्माष्टमी पर 450 करोड़ रुपए की पोशाकों के कारोबार का अनुमान है। ये पोशाक दो तरह से बिक रही हैं- पहला- जो भक्त वृंदावन-मथुरा पहुंच रहे हैं, वो यहां की दुकानों पर मौजूद पोशाक को खरीद रहे हैं। दूसरा- पूरे भारत ही नहीं, कनाडा, रूस, स्पेन, इटली, फ्रांस, बेल्जियम, जापान और चीन से भी ऑनलाइन ऑर्डर आ रहे हैं। कोरियर से श्रीकृष्ण की पोशाक भेजी जा रही हैं। मथुरा-वृंदावन में 200 से ज्यादा कारखाने ऐसे हैं, जिनमें लड्डू गोपाल की पोशाक

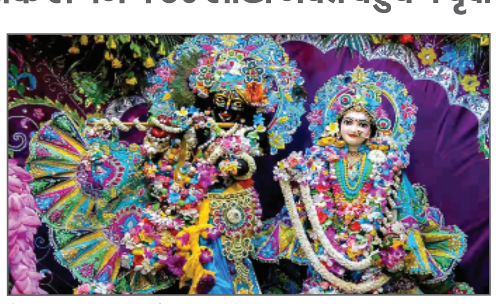

तैयार की जाती है। पोशाक भी एक से बढ़कर एक। इनकी कई वैराइटी हैं, जोकि मौसम के हिसाब से तय होती हैं। अलग-अलग पोशाक बनाने वाले कारखानों के मालिकों से बात करके समझ आया कि जरी जरदोजी वाली पोशाक सबसे ज्यादा लोग खरीद रहे हैं।

व्यापारी बोले-

3 महीने से बना रहे, 14 घंटे लेबर काम कर रहे- अलग-अलग कारखानों में पोशाक के बारे में बातचीत करते हुए हम जवाहर अग्रवाल के कारखाना में पहुंचे। हमने पूछा- इस बार विदेश में कहां-कहां से ऑर्डर आए हैं।

जवाहर कहते हैं- कृष्ण जन्माष्टमी पर विदेशों से ऑर्डर बढ़ जाते हैं। हमारे पास सबसे ज्यादा ऑर्डर कनाडा, रूस और स्पेन से आ रहे हैं। भारत में मध्य प्रदेश और राजस्थान से सबसे ज्यादा ऑर्डर आते हैं। कुछ इस्कॉन मंदिरों से भी ऑर्डर मिले हैं। कृष्ण जन्माष्टमी 16 अगस्त को है, उससे 3 महीने पहले से हमारे पास पूरे भारत से ऑर्डर आने लगे थे।

● **वृंदावन में 5 से 50 हजार तक की पोशाक मिल रही-** इस कारखाना से निकलकर हमारी टीम एक और कारखाना पहुंची। यहां अनुज शर्मा से मुलाकात हुई। हमने पूछा- सबसे सस्ती पोशाक कितने की मिलेंगी। महंगी में कितनी रेंज बिकती है। अनुज कहते हैं- ठाकुरजी की पोशाक की कीमत तो भक्त का भाव तय करता है। वृंदावन में 5 रुपए से लेकर 50 हजार रुपए तक पोशाक मौजूद हैं। हमने पूछा- पोशाक की कीमतें कैसे तय होती हैं। अनुज ने कहा- देखिए, जो पोशाक मशीनों से बनती हैं, वह सस्ती होती हैं, लेकिन जो पोशाक अच्छे कपड़े पर जरी के काम वाली होती हैं, वह महंगी होती हैं। इन्हें तैयार करने में समय भी लगता है। 50 हजार वाली पोशाक की खास बात यह है कि इसको बनाने में करीब 48 घंटे लगते हैं।

संदिग्ध महिला पकड़ी गई, हड़कंप

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷। नगर की आज़ाद कॉलोनी में खेत के पास छुपी एक संदिग्ध महिला को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि यह महिला दिन में भीख मांगने आई थी और रात में आउट एरिया में छुपी मिली। पुलिस फिलहाल महिला से पूछताछ कर रही है। नगीना की आज़ाद कॉलोनी में उस समय हड़कंप मच गया जब खेत के पास छुपी एक महिला को लोगों ने पकड़ लिया। कॉलोनी वालों के मुताबिक महिला दिन में भीख मांगने आई थी लेकिन रात के वक्त टहल रहे लोगों ने उसे कॉलोनी के आउट एरिया में छुपा पाया। जब महिला से पूछताछ की गई तो उसने खुद को मुरादाबाद निवासी बताया वहीं सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। महिला से नाम-पता पूछने की कोशिश की लेकिन महिला खामोश खड़ी रही और अपने बारे में कोई जानकारी नही दी। इसके बाद पुलिस महिला को थाने ले गई।

श्री खेरेश्वर धाम महाराज का भाव श्रृंगार बाबा बर्फानी के रूप में किया

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। खैर रोड स्थित सिद्ध पीठ श्री खेरेश्वर धाम परिसर में रक्षाबंधन के अवसर पर श्री खेरेश्वर धाम महाराज का भाव श्रृंगार बाबा बर्फानी के रूप में किया गया। श्रावण मास के अंतिम दिन पूर्णिमा को भव्य मेले का आयोजन किया गया। महामंत्री ऋषि ओम शर्मा व कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि सभी भक्तों ने बाबा बर्फानी के दर्शन बड़े ही आनंद उत्साह के साथ किए पूरा परिसर अमरनाथ बाबा की जय, खेरेश्वर महादेव की जय की आवाज से गूंज उठा। इस अवसर पर मंदिर समिति के सूबेदार देवेंद्र सिंह, गौरव अग्रवाल राधे, घमंडी सिंह उप खजांची, अशोक कुमार तोमर, ऋषि शर्मा कार्यालय प्रभारी, प्रहलाद गिरी मुख्य महंत, नवीन चौधरी, सोरन लाल, अनंत गिरि, नरेंद्र सिंह, धर्मवीर सिंह, चौधरी जितेंद्र सिंह, मुकेश पंडित, छोटेलाल शर्मा, पुत्तन सिंह, शुभम गिरी, पंकज सिंह, दिगंबर सिंह, महेंद्र सिंह, रामकुमार शर्मा, रामू पंडित जी, नरेंद्र ठाकुर, उमेश सारस्वत, अनिल कुमार टीटू आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का त्यौहार

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। क्षेत्र में रक्षाबंधन का पर्व बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाईयों की कलाई में राखी बांधकर रक्षा का वचन मांगा। वहीं भाईयों ने बहनों को रक्षा करने का संकल्प लिया। साथ ही बहनों ने अपने भाईयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु की कामना की। उधर, भाइयों ने अपनी बहनों को उपहार भेंट किए। बड़ी बात यह है कि बारिश भी बहनों के भाईयों के घर ओर बढते बहनों के कदमों को नहीं रोक सकी। झमाझम बारिश के बीच भी सड़कों पर वाहनों का आवागमन जारी रहा। जिस कारण तिरंगा चौक, झालू चौराहा, एजेंसी चौराहे पर जाम जैसी स्थित बनी रही। वहीं, बडी संख्या में बहनें गंतव्य के लिए जाने के लिए रोडवेज बस की प्रतीक्षा करती दिखाई दी।

मिशन शक्ति अभियान अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समश्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु "शक्ति दीदी" के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है। मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समश्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं व बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को शासन व यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों के बारे में विश्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है।

बाइक की पूजा, शराब का भोग; राजस्थान के 'बुलेट बाबा मंदिर' की अनोखी कहानी

पाली, एजेंसी।
राजस्थान का बुलेट बाबा मंदिर जिसे ओम बन्ना मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इसकी अनोखी बात ये है कि यहां किसी देवी-देवता की नहीं बल्कि एक रॉयल एनफील्ड बुलेट की पूजा होती है। बाइक राइडर और ट्रक ड्राइवर समेत तमाम लोग यहां आकर माथा टेकते और पूजा करते हैं। ये लोग श्रद्धा स्वरूप शराब भी चढ़ाते हैं। जानिए इस अनोखे मंदिर का दिलचस्प किस्सा, आखिर यहां ऐसा क्या हुआ था, जिसके चलते एक मोटरसाइकिल की पूजा होती है। राजस्थान के पाली जिले में जोधपुर-पाली हाइवे पर बने इस मंदिर के किस्से देश दुनिया में मशहूर हैं। कहते हैं कि बुलेट बाबा मंदिर की कहानी के तार 1988 में घटी एक घटना से जुड़े हैं। इसी साल ओम सिंह राठौड़ जिन्हें स्थानीय लोग ओम बन्ना के नाम से जानते थे, अपनी रॉयल एनफील्ड बुलेट से सफर कर रहे थे। तभी रोड एक्सीडेंट हुआ और उनकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी पुलिस को हुई तो मौके पर पहुंचकर ओम बन्ना के शव को

पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल और बाइक को पुलिस स्टेशन भिजवाया गया। बाइक को थाने में लॉक करके खड़ा कर दिया गया और इधर बन्ना का पोस्टमार्टम हो चुका था, लेकिन फिर एक हैरान कर देने वाला वाक्या हुआ। दरअसल जो गाड़ी पुलिस थाने में खड़ी थी, वह एक्सीडेंट साइट पर फिर पहुंच गई। जांच पड़ताल हुई तो किसी का नाम सामने नहीं आया, तो बाइक को उठवाकर फिर से थाने पहुंचा दिया गया। लेकिन चौंकाने वाली बात तब हुई, जब बाइक फिर से उसी जगह पहुंच गई।

कई बार इस घटना के होने पर स्थानीय लोगों ने इसे चमत्कार से जोड़ा। आम जनता की भावनाएं जाग्रत होने लगी थीं। लोगों ने चमत्कार को नमस्कार किया और बाइक का मंदिर बना दिया और उसकी पूजा करने लगे। लोगों ने दैवीय घटना से जोड़कर मंदिर में बाइक और ओम बन्ना की पूजा शुरू कर दी। इसके बाद से इस रास्ते से गुजरने वालों को इस घटना के किस्से पता लगने लगे।

मोटर साइकिल सवारों और ट्रक ड्राइवरों ने यहां रुककर सिर झुकाना शुरू कर दिया। श्रद्धा के भाव से भरे भक्त आते और माला, नारियल के साथ शराब चढ़ाते और अपनी यात्रा को सुरक्षित रखने की कामना ओम बन्ना से करने लगे। अब ये सिलसिला चल निकला है। हर साल हजारों की संख्या में लोग मंदिर के दर्शन करने आते हैं और पूजा-अर्चना करके अपनी सलामती और अपनों के लिए दुआएं मांगते हैं।

राहुल के बाद अब अखिलेश ने लगाया वोटों की डकैती का आरोप

रामपुर , एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग के खिलाफ आरोपों की झड़ी लगाए जाने के बाद अब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव इस मुद्दे को लेकर भाजपा पर हमलावर हो गए हैं। अखिलेश यादव ने कुंदरकी और रामपुर विधानसभा सीट पर हुए पिछले चुनावों और उपचुनावों में सपा और भाजपा के वोट शेयर का ग्राफ पोस्ट कर भाजपा पर आरोप लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश का आरोप लगाया। कहा कि हकमारी और मतमारी से भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने का जो षड्यंत्र रच रही है, उसे कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। सब मिलकर उसका मुकाबला करेंगे। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा- 'भाजपा भ्रष्टाचार का विश्वविद्यालय है और चुनावी भ्रष्टाचार का ब्रह्मांडविद्यालय। हक़मारी और 'मतमारी' से भाजपा लोकतंत्र को ख़त्म करने का जो षड्यंत्र रच रही है, हम सब मिलकर उसे कामयाब नहीं होने देंगे।' उन्होंने आगे लिखा-' जनता समझे- - भाजपा कुछ लोगों की मिलीभगत से कभी अपने समर्थक फ़र्ज़ी मतदाताओं का नाम बढ़ा देती है।

शिमला के प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूल के तीन नाबालिग छात्र लापता, एक बड़ी आशंका

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में एशिया के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूलों में शामिल बिशप कॉटन स्कूल के तीन नाबालिग छात्र रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गए हैं। यह नामी निजी स्कूल वर्ष 1859 में स्थापित हुआ था और यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों में देश-विदेश के कई उद्योगपति, अधिकारी और राजनेता शामिल रहे हैं। यहां वर्तमान में भी ज्यादातर छात्र बाहरी राज्यों से आते हैं और संपन्न परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। लापता तीनों छात्र 11 साल के हैं और छठी कक्षा में पढ़ते हैं। इनमें एक छात्र हिमाचल प्रदेश के कुल्लू, दूसरा पंजाब के मोहाली और तीसरा हरियाणा के करनाल का निवासी है।

मामले के अनुसार शनिवार को वीकेंड के अवसर पर कुछ छात्र स्कूल से बाहर घूमने गए थे। स्कूल रिकॉर्ड के मुताबिक दोपहर 12 बजकर 9 मिनट पर ये तीनों छात्र आउट-पास लेकर स्कूल से बाहर निकले थे। स्कूल नियमों के अनुसार उन्हें शाम 5 बजे तक वापस लौटना था, लेकिन तय समय के बाद भी वे हॉस्टल नहीं पहुंचे।

स्कूल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। न्यू शिमला थाना पुलिस को दी गई शिकायत में स्कूल के कर्मचारी मैथ्यू पी. जॉन ने कहा कि छात्रों के देर तक वापस न लौटने और संपर्क न होने के कारण उनकी सुरक्षा को लेकर आशंका बढ़ गई है।

शिकायत के आधार पर न्यू शिमला थाने में बीएनएस की धारा 137बी के तहत अज्ञात लोगों के विरुद्ध अपहरण का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शहर में मौजूद कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने तीनों बच्चों को अलग-अलग समय पर माल रोड क्षेत्र में देखा था। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया है।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तलाशी अभियान तेज कर दिया है। शिमला पुलिस ने शहर के प्रवेश और निकास मार्गों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशन पर निगरानी बढ़ा दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और उन वाहनों की भी जांच की जा रही है जिनसे संभावना है कि बच्चे शहर से बाहर गए हों। शिमला पुलिस ने बच्चों के परिजनों को मामले की पूरी जानकारी दी है।

हमें भी अपने आयात को कम करना होगा और निर्यात को बढ़ाना होगा, तभी हम मजबूती से खड़े हो पाएंगे- नितिन गडकरी

नागपुर, एजेंसी।
अमेरिका से चल रहे टैरिफ तनाव पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने परोक्ष रुप से अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि आज जो देश दुनिया में अपनी दादागिरी चला रहे हैं, वह ऐसा इसलिए कर पा रहे हैं क्योंकि वह आर्थिक रूप से मजबूत हैं। उन देशों के पास टेक्नोलॉजी भी है। हमें अगर भारत की विश्व गुरु की छवि को आगे बढ़ाना है तो हमें भी टेक्नोलॉजी और आर्थिक क्षेत्र में मजबूत होना होगा।

नागपुर के विश्वेश्वरैया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में अपनी बात रखते हुए केंद्रीय मंत्री ने आयात को कम करने और निर्यात को बढ़ाने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, अगर हमारे निर्यात और अर्थव्यवस्था की दर बढ़ती है, तो मुझे नहीं लगता कि हमें किसी के पास जाने की जरूरत पड़ेगी। जो लोग 'दादागिरी' कर रहे हैं, वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे आर्थिक रूप से मजबूत हैं और उनके पास

टेक्नोलॉजी है। गडकरी ने भारत की संस्कृति और विश्व बंधुत्व की भावना पर जोर देते हुए कहा कि आज अगर हम आर्थिक रूप से सशक्त हो जाएं और टेक्नोलॉजी में भी आगे हो जाएं। इसके बाद भी हम किसी पर धौंस नहीं जमाएंगे क्योंकि हमारी संस्कृति में यह नहीं है। हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि विश्व का कल्याण सबसे महत्वपूर्ण है। गडकरी ने कहा आज दुनिया की सभी समस्याओं का उपाय साइंस, टेक्नोलॉजी और नॉलेज है। अगर हम इन तीनों चीजों का उपयोग करेंगे तो हमें कभी भी दुनिया के सामने झुकना नहीं पड़ेगा।

वोट चोरी के आरोपों पर राहुल गांधी के साथ खड़े हुए शरद पवार, चुनाव आयोग से जांच की रखी मांग

मुंबई, एजेंसी।
एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने वोट चोरी के दावों को लेकर जांच की मांग की है। शनिवार को उन्होंने कहा कि वोट चोरी पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रस्तुति अच्छी तरह से शोध और दस्तावेजों पर आधारित थी। इस मामले की जांच करना निर्वाचन आयोग का काम है। पवार ने नागपुर में प्रेसवार्ता में स्वीकार किया कि विपक्षी महा विकास आघाड़ी को महाराष्ट्र में चुनाव से पहले अधिक सावधान रहना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'हमें पहले ही इस पर गौर करना चाहिए था और सावधानी बरतनी चाहिए थी।'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्क्र) को संस्थागत चोरी बताया है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग गरीबों के मताधिकार को छीनने के मकसद इस चोरी को अंजाम देने के लिए भाजपा के साथ खुलेआम साठगांठ कर रहा है। शरद पवार ने कहा कि राहुल ने विस्तृत सबूतों के साथ अपनी प्रेजेंटेशन दिया था। उन्होंने कहा, 'निर्वाचन आयोग को इस पर गौर करना

चाहिए।' पवार ने इस बात पर खेद जताया कि राहुल गांधी की ओर से आयोजित रात्रिभोज में शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बैठने की जगह अनावश्यक विवाद बन गई है।

उपराष्ट्रपति चुनाव पर पवार ने क्या कहा

शरद पवार ने कहा, 'एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन था। जब हम स्क्रीन पर कोई फिल्म देखते हैं तो हम आगे नहीं, बल्कि पीछे बैठते हैं। फारूक अब्दुल्ला और मैं पीछे बैठे थे। इसी तरह, उद्धव ठाकरे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया भी प्रेजेंटेशन ठीक से देखने के लिए पीछे बैठे थे।' उन्होंने कहा कि विपक्ष ने 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव पर अभी अपना रुख तय नहीं किया है। पवार ने अपने भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ अपने गुट के हाथ मिलाने की अटकलों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'हम कभी भी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ हाथ नहीं मिलाएंगे।'

लोकजनशकित पार्टी की प.उ.प्र. राज्य कार्यकारिणी की समीक्षा बैठक आयोजित

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

लोक जन शक्ति पार्टी रामविलास पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राज्य कार्यकारिणी समीक्षा बैठक भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष लोक जन शक्ति पार्टी रामविलास चिराग पासवान की अध्यक्षता में कॉन्स्टीट्यूशन हॉल नई दिल्ली में आयोजित की।

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिला अध्यक्ष राम नाथ सिंह ने बताया कि राज्य कार्यकारिणी बैठक में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा एवं प्रधान महा सचिव राजीव गोयल ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी को प्रदेश पदाधिकारी एवं जनपदों के जिला अध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष की उपस्थिति में प्रगति रिपोर्ट सौंपी। जिसकी समीक्षा खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने की। राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि लोक जन शक्ति पार्टी शोषित वर्ग, दलित, पिछड़ों एवं अल्पसंख्यक सहित सभी वर्गों के गरीबों की हितैषी पार्टी है।उन्होंने कहा कि जब बाबूजी स्वर्गीय रामविलास पासवान खाद्य मंत्री थे तो उन्होंने गरीबों के लिए मुफ्त मे राशन देने की योजना बनाई। जिससे आज 80 करोड़ गरीबों के घर में राशन जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जब वह रेल मंत्री थे ।तब सबसे बड़ी संख्या में सभी वर्गो के लोगों को नौकरी दिलाने का काम किया ।जब वह दूरसंचार मंत्री थे तब हर के हाथ में मोबाइल फोन हो की योजना भी उन्हीं की है। लोक

जनशक्ति पार्टी रामविलास

जाति वाद और धर्मवाद की राजनीति नहीं करती बल्कि

विकासवाद, रोजगार, शिक्षा के लिए काम करने वाली पार्टी है। लोक जन शक्ति पार्टी रामविलास पार्टी की विचारधारा और उपलब्धियों के आधा पर चुनाव लड़ेगी। इस पार्टी में वरिष्ठ जन, महिलाओं और युवाओं को राजनीति में आकर देश सेवा का अवसर समानता रूप से दिया जा रहा है।

पार्टी के सभी पदाधिकारियों को लोक जन शक्ति पार्टी की विचार धारा और उपलब्धियों जन जन तक पहुंचाने के लिए निर्देश दिए। उनहोंने कहा कि जिस प्रकार जोश के साथ युवा और महिलाएं पार्टी में शामिल हो रहे हैं ।आगामी उत्तर प्रदेश के विधानसभा 2027 के चुनावों में चौंकाने वाले परिणाम सामने आएंगे। बड़ी जीत के साथ पार्टी बिहार, नागालैण्ड, झारखंड के बाद उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में विजयी सीटों के साथ अपना खाता खोलेगी।

उत्तर प्रदेश के प्रभारी की जिम्मेदारी पार्टी के सांसद अरुण भारती को सौंपी

इस अवसर पर सांसद राजेश वर्मा, सांसद सांभवी चौधरी, सांसद वीणा देवी, सांसद अरुण भारती राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा प्रधान महा महासचिव राजीव मोहन गोयल, प्रदेश सचिव जय भगवान, प्रदेश मीडिया प्रभारी अतुल कुमार, बिजनौर के जिला अध्यक्ष राम नाथ सिंह प्रधान महासचिव यादराम सिंह महासचिव हरीराज सिंह उपाध्यक्ष सरदार जोगेंद्र सिंह सचिव दिनेश कुमार प्रचार मंत्री अर्जुन सिंह नगर अध्यक्ष हरिश्चंद्र गुप्ता नगर महासचिव वंदना शर्मा सहित प्रदेश एवं जनपदों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इतना लगाव है तो घुसपैठियों को राहुल गांधी के घर भेज दो- हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहटी, एजेंसी।
असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस पार्टी पर घुसपैठियों को नई पहचान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अगर बाहर से आए घुसपैठियों से इतना ज्यादा ही लगाव है तो उन्हें अपने घर में जगह दें या फिर राहुल गांधी के घर पर भेज दें। इतना ही नहीं हिमंत ने अतिक्रमण के खिलाफ चल रही राज्य सरकार की जंग की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी जमीनों को मुक्त कराने के लिए चलाया जा रहा बेदखली अभियान ऐसे ही जारी रहेगा।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने दावा किया कि कांग्रेस नेता और सांसद गौरव गोगोई ने हाल ही में घुसपैठियों को ना असमिया (नया असमिया) कहा था। सरमा ने कहा, अगर उन्होंने ऐसा कहा है, तो उन्हें अपने घर में उन्हें जगह देनी चाहिए, क्योंकि हमारे घर में उनके लिए कोई जगह नहीं है। असम के मुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए राज्य के संसाधनों को लेकर भी अपनी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि असम में मूल असमियों के लिए ही पर्याप्त संसाधन या जगह नहीं है, तो ऐसे में हम तथाकथित नए असमियों को कैसे जगह दे सकते हैं। उन्होंने कहा, न तो जमीन है, न जगह, न घर। हम असमियों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं दे सकते। ऐसे में हम इन तथाकथित नए

असमियों को ये सुविधाएं कैसे दे सकते हैं?... गोगोई को अगर इनकी इतनी ही चिंता है, तो इन लोगों को राहुल गांधी के घर भेज देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने राज्य में घुसपैठियों को केंद्र में रखकर चलाए जा रहे अतिक्रमण बेदखली अभियान की भी सराहना की। उन्होंने कहा, बेदखली अभियान जारी रहेगा। अगले साल विधानसभा चुनाव के बाद, भाजपा सत्ता में वापस आएगी और तब भी बेदखली जारी रहेगी।'' इस बीच, शर्मा ने कहा कि नवंबर में 10,000 से ज्यादा कलाकार बिहू और झुमुइर की तर्ज पर बोडो लोक नृत्य 'बागुरुम्बा' प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर किए एक पोस्ट में कहा, ''बिहू और झुमुइर की अपार सफलता के बाद, अब बागुरुम्बा के मुख्य आकर्षण बनने का समय आ गया है। नवंबर में, 10,000 से अधिक

छत्तीसगढ़ में शुरू होगी 'गौधाम योजना', सरकार हर महीने देगी 10 से 13 हजार रुपए तक का मानदेय

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने एवं पशुधन संरक्षण को नई दिशा प्रदान करने के लिए गौधाम योजना की शुरुआत करने जा रही है। यह महत्वाकांक्षी योजना न केवल पशुधन की सुरक्षा एवं नस्ल सुधार को बढ़ावा देगी बल्कि जैविक खेती, चारा विकास और गौ-आधारित उद्योगों के माध्यम से गांव-गांव में रोजगार के नए अवसर भी खोलेगी। योजना का स्वरूप इस तरह तैयार किया गया है कि निराश्रित एवं घुमंतू गौवंशीय पशुओं की देखभाल के साथ-साथ चरवाहों और गौसेवकों को नियमित आय का स्थायी स्रोत उपलब्ध होगा, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक स्थिरता एवं आत्मनिर्भरता प्राप्त हो सकेगी। गौधाम योजना के ड्राफ्ट को वित्त एवं पशुधन विकास विभाग से भी मंजूरी प्राप्त हो चुकी है। पशुधन विकास विभाग ने यह योजना विशेष रूप से तस्करी या अवैध परिवहन में पकड़े गए पशुओं और घुमंतु पशुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार की है।

इस गौधाम योजना के अंतर्गत चरवाहों को प्रतिमाह 10,916 रुपए और गौसेवकों को 13,126 रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही मवेशियों के चारे के लिए भी प्रतिदिन निर्धारित राशि प्रदान की जाएगी। उत्कृष्ट गौधाम को वहां रहने वाले प्रत्येक पशु के लिए पहले साल 10 रुपए प्रतिदिन, दूसरे वर्ष 20 रुपए प्रतिदिन, तीसरे वर्ष 30 रुपए प्रतिदिन और चौथे वर्ष 35 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से राशि दी जाएगी। योजना के लिए बजट, नियम और शर्तें तय कर दी गई हैं ताकि संचालन में किसी तरह की परेशानी न हो।

सरकार के मुताबिक गौधाम योजना का उद्देश्य गौवंशीय पशुओं का वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षण एवं संवर्धन करना, गौ-उत्पादों को बढ़ावा देना, चारा विकास कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना, गौधाम को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करना, ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराना तथा फसलों के नुकसान और दुर्घटनाओं में पशु एवं जनहानि से बचाव सुनिश्चित करना है।

पशुधन विकास विभाग ने यह योजना विशेष रूप से तस्करी या अवैध परिवहन में पकड़े गए पशुओं और घुमंतु पशुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार की है। राज्य में अवैध पशु तस्करी एवं परिवहन पर पहले से रोक है। अंतरराज्यीय सीमाओं पर पुलिस कार्रवाई में बड़ी संख्या में गौवंशीय पशु जब्त होते हैं। इन पशुओं और घुमंतू पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए ही यह योजना शुरू की जा रही है। प्रत्येक गौधाम में क्षमता के अनुसार अधिकतम 200 गौवंशीय पशु रखे जा सकेंगे।

योजना को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि गौधाम योजना से प्रदेश में पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और बड़ी संख्या में चरवाहों एवं गौसेवकों को नियमित आय का साधन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुओं की नस्ल सुधार कर उन्हें अधिक दूध देने और खेती-किसानी में पूरी क्षमता से उपयोग करने योग्य बनाया जा सकेगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में जैविक खेती और चारा विकास कार्यक्रमों को भी गति मिलेगी, जिससे ग्राम स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और गांवों की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी।

ऐसी शासकीय भूमि, जहां सुरक्षित बाड़ा, पशुओं के शेड, पर्याप्त पानी और बिजली की सुविधा उपलब्ध हो वहीं गौधाम की स्थापना की जाएगी। जिन गौठानों में पहले से अधोसंरचना विकसित है वहां उपलब्धता के आधार पर गौठान से सटे चारागाह की भूमि को हरा चारा उत्पादन के लिए दिया जाएगा। इसके अलावा अगर आसपास की पंजीकृत गौशाला की समिति संचालन के लिए असहमति व्यक्त करती है तो अन्य स्वयंसेवी संस्था, एनजीओ, ट्रस्ट, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी या सहकारी समिति संचालन के लिए आवेदन कर सकेगी। जिला प्रशासन के प्रस्ताव पर गौधाम स्थापित किए जाएंगे जो पंजीकृत गौशालाओं से भिन्न होंगे। पहले चरण में छत्तीसगढ़ के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गौधाम स्थापित किए जाएंगे। जिला स्तरीय समिति प्राप्त आवेदनों का तुलनात्मक अध्ययन कर चयनित संस्था का नाम छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग को भेजेगी। मंजूरी के बाद चयनित संस्था और आयोग के बीच करार होगा जिसके पश्चात गौधाम का संचालन उस संस्था को सौंपा जाएगा। गौधाम में गोबर बिक्री नहीं होगी, पशुओं के गोबर का उपयोग चरवाहा स्वयं करेगा।

मकान का ताला तोड़कर नकदी और जेवरात चोरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर के जलालपुर रोड स्थित प्रिंस कॉलोनी में मकान का ताला तोड़कर 3.5 लाख रुपए की नकदी व सोने चांदी के जेवरात चोरी करके ले गए। वारदात के समय परिवार रक्षाबंधन बनाने के लिए दिल्ली गए थे। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कह रही है। नगर की प्रिंस कॉलोनी निवासी सोनू कुमार ने बताया कि वह शनिवार को पत्नी के साथ रक्षाबंधन बनाने के लिए दिल्ली गया। शनिवार रात को किराएदार का फोन आया और बताया कि मकान का ताला टूटा हुआ है। इसके बाद वह मुरादनगर पहुंचे। सोनू कुमार ने बताया कि बदमाश मकान का ताला तोड़कर 3.5 लाख रुपए की नकदी, सोने चांदी के जेवरात व अन्य कीमती सामान चोरी करके ले गए। पीड़ति देर रात मुरादनगर थाने पहुंचे और तहरीर दी। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कह रही है।

युवक को धारदार हथियार से वार कर किया घायल,केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव भिक्कनपुर में पुरानी रंजिश के चलते जिम करके आ रहे युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर हालत में उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गांव भिक्कनपुर निवासी आर्यन जिम से वापस अपने घर आ रहा था। राश्ते में आर्यन को वंश मिला,जो गाड़ी में बैठ गया। जब वह वंश को गाड़ी से उतार रहा था तो गांव निवासी तीन युवकों ने आर्यन पर धारदार हथियार से हमला बोल दिया। गंभीर हालत में आर्यन को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया,लेकिन हालत गंभीर होने पर दिल्ली रेफर कर दिया। इस संबंध में आर्यन के पिता लोकेन्द्र ने थाने में तहरीर दी है। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर शक्ति,मोनू व हनी निवासी भिक्कनपुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

घर के गेट पर कार खड़ी करने से मना करने पर मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में शनिवार रात गेट के सामने कार खड़ी करने से मना करने पर चाचा भतीजे ने साथियों के साथ मिलकर युवक व उसके परिजनों के साथ मारपीट की। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सरस्वती विहार कॉलोनी निवासी हरी शंकर के मुताबिक पड़ोसी मुकेश उनके गेट पर कार खड़ी करता है। मना करने पर धौंस जमाते हुए धमकी देता है। उनकी सूचना पर शनिवार रात दस बजे मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने मुकेश को चालान काटने की चेतावनी दी। आरोप है कि पुलिस के जाने को बाद मुकेश ने आकाश और उसके साथियों को बुलाकर हमला कर दिया। घर में घुसकर उनकी, भाई दयाशंकर व भतीजे दिव्यांश की पिटाई की। तीन हजार रुपये भी उनकी जेबसे निकाल लिए। आस पास के लोगों के एकत्र होने पर आरोपी मौके से फरार हो गये। एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़ति की शिकायत पर 16 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने मुकेश व आकाश को गिरफ्तार किया है।

पेचकस से हमला कर युवक को घायल किया, अस्पताल में भर्ती

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की जगतपुरी कॉलोनी में गाली गलौज का विरोध करने पर चेहरे पर पेचकस मारकर घायल करने का मामला सामने आया है। नगर की जगतपुरी कॉलोनी निवाासी सोनू कश्यप रविवार सुबह निवाड़ी रोड पर किसी काम से जा रहे थे। जब वह बीच राश्ते में पहुंचे तो एक युवक उन्हें गाली देने लगा। जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने पेचकस से सोनू के चेहरे पर ताबड़तोड़ वार किए। गंभीर हालत में सोनू को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रंजिश में दो युवकों पर जानलेवा हमला, 6 पर केस

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। दनकौर के हतेवा गांव निवासी दो युवकों पर रंजिश में गांव के ही युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा हैं। हतेवा गांव निवासी विकास शर्मा 3 अगश्त को दोश्त देवेश के साथ किसी काम से कासना गया था। वहां से लौटते वक्त पीपलका गांव के नजदीक घात लगाए खड़े ऋषभ उर्फ तेली समेत 6 आरोपियों ने डंडा मारकर पीड़ितों की बाइक रोक ली और दोनों पर लाठी-डंडे और तमंचे की बट से जानलेवा हमला कर दिया। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-45 में घर घुसकर दो फोन चुराए

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। सेक्टर-45 स्थित सदरपुर गांव में एक घर से दो मोबाइल चोरी होने की घटना सामने आई है। चोरी के वक्त पीड़ित कमरे में सोया हुआ था। पीड़ित ने सेक्टर-39 थाने में केस दर्ज कराया है। अतुल शर्मा अपने भाई के साथ किराये के मकान में रहते हैं। शुक्रवार रात को दोनों भाई कमरे पर सो रहे थे। सुबह जब दोनों उठे तो चार्जिंग पर लगे दोनों के मोबाइल नहीं थे। उन्होंने आसपास तलाशा किया पर नहीं मिले। कॉल किया तो दोनों फोन बंद थे। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की।

बाइक सवार को लात-घूंसों से पीटा

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। सेक्टर-45 स्थित सदरपुर गांव में बीते गुरुवार रात चार युवकों ने रंजिश में बाइक सवार कंपनीकर्मी को लात-घूंसों से पीटा। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पीड़ित ने सेक्टर-39 थाने में तीन नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित रघुनंदन ने पुलिस को बताया कि वह सदरपुर गांव में नागर डेरी के सामने वाली गली में रहते हैं। वह एक कंपनी में नौकरी करते हैं। वह गुरुवार रात करीब 10.30 बजे सेक्टर-78 से बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। वह सदरपुर गांव में संदीप चौहान के भूखंड के पास पहुंचे तो वहां पहले से कुछ युवक खड़े थे। इनमें अंबुज राय, अंकुर पंडित, संजू चौहान और एक अज्ञात युवक था। उन युवकों ने रघुनंदन को रोक लिया।

प्रेमी युगल पर जानलेवा हमला, दो की हालत गंभीर जिला अस्पताल रेफर

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

पंचायत के फरमान को दरकिनार करते हुए आठ साल बाद घर वापस लोटे प्रेमी युगल दंपति को देख कर पूर्व पति के परिवार के सदस्यों ने घर में घुसकर हमला कर दिया।

जिसमें गुलशन सहित तीन लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से दो की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रैफर किया गया है। घटना को लेकर दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ आरोप प्रत्यारोप लगाते हुए तहरीर दी है।

प्राप्त समाचार के अनुसार ग्राम तुराबनगर में दो पक्षों के बीच पुराने मामले को लेकर मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान अफरा-तफरी मच गई। पूर्व प्रधान अबरार अंसारी की बाईक तोड़ दी गई और गुलशन पत्नी शादाब आलम, सदफ़ पुत्री शादाब आलम व शादाब की मां हाशमी घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया

गया। जहां से गुलशन व सदफ़ को जिला अस्पताल रैफर किया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक करीब आठ वर्ष पूर्व शराफत की पत्नी गुलशन प्रेम प्रसंग के चलते शादाब आलम के साथ चली गई थी।

इसके बाद ग्राम में पंचायत हुई थी और शराफत ने गुलशन को तलाक दे दिया था। गुलशन ने शादाब आलम से निकाह कर लिया था। पंचायत में फैसला हुआ कि गुलशन व शादाब ग्राम में नहीं रहेंगे। वह उस समय गांव से चले गए थे।

आठ वर्ष बाद करीब 10 दिन पूर्व गुलशन व शादाब आलम ग्राम तुराबनगर लौट आए थे। जिसको लेकर शराफत पक्ष ने उनके ग्राम में लौटने का विरोध किया था और इसी मामले को लेकर दोबारा से शुक्रवार को पंचायत होने जा रही थी। आरोप है कि इसी दौरान शराफत पक्ष ने उनके घर में घुसकर मारपीट कर दी। मारपीट में गुलशन, उसकी पुत्री सदफ़ व सास हाशमी घायल हो गई।

घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से गुलशन व सदफ़ को जिला अस्पताल रैफर किया गया है। उधर दूसरे पक्ष ने भी आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। थाना अध्यक्ष धीरज नागर का कहना है कि मामले की तहरीर प्राप्त हो चुकी है और जांच की जा रही है।

टूटे तटबंध ठीक किए गए, नगरवासियों को मिली बड़ी राहत

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गांगन नदी पुल के पास टूटे तटबंध को सिंचाई विभाग ने पालिका प्रशासन के

सहयोग से बड़ी मुश्किल से बंद किया गया। जिससे नगरवासियों को बड़ी राहत मिली है।

बुधवार की शाम को नहटौर के गांगन कर पुल के पास तटबंध में रिसाव हो गया था। इसके बाद तटबंध (बंदा)टूट गया था। तटबंध के टूटने से नहटौर नगर के कई मोहल्ले में पानी भर गया था। डीएम, एसडीएम आदि प्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण कर तटबंध के कटाव को रोकने और उसे बंद करने के निर्देश दिए थे।

सिचाई विभाग और नगर पालिका प्रशासन की टीम के संयुक्त प्रयासों से टूटे हुए तटबंध को बंद कर दिया। तटबंध बंद होने से नहटौर नगर वासियों को बड़ी राहत मिली है। रविवार से वाहनों के आवागमन की व्यवस्था भी सही रूप में हो गई हैं।

पार्क में टहल रहे दंपति पर जानलेवा हमला

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दो लोगों ने केस वापस न लेने पर पांच दिन पहले दिल्ली के पार्क में टहल रहे दंपति पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने महिला पर पिश्तौल तानकर धमकी भी दी।

पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-24 थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। सेक्टर-11 स्थित धवलगिरी अपार्टमेंट में रहने वाले राजेश कुमार जैन ने पुलिस को बताया कि वह सॉफ्टवेयर डवलपर हैं। वह छह अगश्त की सुबह करीब छह बजे पत्नी मोनिका जैन के साथ दिल्ली के कोंडली स्थित स्मृति वन पार्क में टहलने गए थे।

पार्क के अंदर दो लोग उनकी पत्नी के पीछे से आए और हाथापाई शुरू कर दी। आरोपियों ने उनकी पत्नी को मुक्का मारा। इसके चलते वह गिर गईं। इसी दौरान उनमें से एक आरोपी ने मोनिका जैन के ऊपर पिश्तौल तानते हुए गाली-गलौज की।

आरोपी ने उनसे कहा कि पति को कोर्ट में मत भेजना। अगर कोर्ट में भेजा तो वह पूरे परिवार को खत्म कर देंगे। पीड़ित का कहना है कि दोनों आरोपियों ने अपने चेहरे ढके हुए थे। दोनों धमकी देते हुए भाग गए। दोनों आरोपियों के पीछे एक व्यक्ति के हुलिया के अनुसार उन्होंने पहचान की है। दावा है कि तीसरे आरोपी की शक्ल पंकज कुमार से मिलती है। पंकज कुमार दिल्ली विकास प्राधिकरण में अधिकारी था, जिसे उन्होंने वर्ष 2022 में रंगे हाथ रिश्वत लेते हुए सीबीआई से गिरफ्तार कराया था। इसके संबंध में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में केस विचाराधीन है। आरोप है कि तभी से आरोपी केस वापस लेने के लिए दबाव बना रहा है।

दबाव न मानने पर कई बार धमकी दे चुका है। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायतकर्ता के मुताबिक घटनास्थल दिल्ली के पार्क का है। केस दर्ज कर लिया है। जल्द ही विवेचना दिल्ली ट्रांसफर की जाएगी।

दरोगा पर लाठी डंडों से हमला, वर्दी फाड़ी, ग्राम प्रधान समेत 6 पर मुकदमा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

दरोगा को प्रधान व उसके साथियों ने लाठी और डंडों से जमकर पीटा। दरोगा बचाव के लिए किसी को कॉल करता, उसका मोबाइल और पर्स छीन लिया। वर्दी फाड़ दी और लात और घूंसों से मारते हुए गिरा दिया।

मदद के लिए शोर सुन कुछ दूरी पर खड़े दो अन्य दरोगा पहुंचे तो आरोपी धमकाते हुए वहां से भाग गए। पुलिस ने प्रधान समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। इटावा जिले के सहसों क्षेत्र के ग्राम सिंडौस निवासी राजवीर सिंह दादों में दरोगा पद पर हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को रक्षाबंधन पर वह आलमपुर चौराहे पर शांति व्यवस्था को लेकर ड्यूटी पर तैनात थे।

बारिश के कारण आलमपुर चौराहे पर कोठारी नाम की एक कपड़े की दुकान के अंदर बैठे हुए थे। दोपहर अचानक सिहानी फरीदपुर के प्रधान देवेंद्र यादव अपने साथी अरविंद, शैलेश, संतोष के साथ आ गए। उनके पास लाठी-डंडे थे। गाली गलौज करते हुए यह लोग दुकान के अंदर घुस आये और धमकाने लगे। कहा, तू चेकिंग में चालान बहुत करता है। उसके बाद लाठी डंडों से हमला कर दिया। दरोगा ने बताया कि इससे पहले कि मैं थाने में किसी को इसकी जानकारी देता। आरोपियों ने जेब में रखा मोबाइल फोन छीन लिया। इसके साथ ही पर्स भी निकाल लिया। इसमें आधार, एटीएम व आइ कार्ड रखा हुआ था।

पीड़ित दरोगा ने बताया कि जब वे बाहर आये तो बाहर चौराहे पर खड़े हुए नगरिया सिहानी निवासी ननुका व वेद प्रकाश भी आ गए। इन लोगों ने भी उनके साथ साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इस दौरान उनकी वर्दी भी फट गई। शोर सुनकर कुछ दूरी पर खड़े एसआई सचिन कुमार और अभिनव सिंह भी पहुंच गए। उन्होंने बमुश्किल उन्हें बचाया।

प्रधान सहित आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गये। घायल दारोगा को छर्रा सीएचसी में भर्ती कराया गया। यहां उनका उपचार चल रहा है। सीओ छर्रा धनंजय सिंह ने बताया कि आरोपी ग्राम प्रधान समेत छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अलग-अलग थाना क्षेत्र से तीन अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एसएसपी संजीव सुमन द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित व वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अलीगढ़ पुलिस द्वारा थाना मडराक पुलिस ने अभियुक्त अकरम पुत्र मो0 जावेद निवासी मुल्ला पाडा भुजपुरा थाना कोतवाली नगर जनपद अलीगढ़ को एक चाकू के साथ अलीगढ कालेज के पीछे गेट से 50 कदम दूर कैची पुलिया की तरफ रोड से गिरफ्तार किया।

तो वहीं थाना मडराक पुलिस ने अभियुक्त रहमत पुत्र इदरिश निवासी मुल्ला पाडा भुजपुरा थाना कोतवाली नगर को एक चाकू के साथ गंदा नाला बाईपास चौराहा से बघेल मार्ग ग्राम दोलरा निरपाल मोड से गिरफ्तार किया। तो वहीं थाना गांधीपार्क पुलिस द्वारा अभियुक्त निशू पुत्र पिंकी सिंह निवासी टीचर्स कालोनी अलीनगर रोड थाना गांधीपार्क जनपद अलीगढ़ को एक तमंचा 12 बोर मय एक जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ न्यू आबादी छावनी मे कायस्थ मरघट के पास रेलवे लाइन के सामने दीवार के पास अलीगढ गिरफ्तार किया।

कार अनियंत्रित होकर नहर में गिरी

अलीगढ़। थाना गभाना क्षेत्र में दिल्ली कानपुर हाइवे पर गांव दौरऊ के पास रविवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सुबह करीब पांच बजे, दिल्ली निवासी भूरे यादव अपने गांव सिकंद्राराऊ, निहालपुर जा रहे थे।

परिवार में भागवत कथा का आयोजन था। जैसे ही उनकी स्कॉर्पियो गभाना क्षेत्र में दौरऊ नहर के पास पहुंची, तभी सड़क पर आए गोवंश को बचाने के प्रयास में कार नहर में पलट गई।

इंटरनेशनल पुलिस एंड क्राइम इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो का फर्जी कार्यालय खोल कर

पैरेलल पुलिस बताकर ठगी वाले गिरोह पर्दाफाश, 6 गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

थाना फेस 3 पुलिस ने एक फर्जी और भ्रामक पुलिस कार्यालय का पर्दाफाश किया है। इस कार्यालय को चला रहे छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

यह लोग फर्जी दश्तावेज का प्रयोग कर खुद को एक गवर्नमेंट से रजिस्टर्ड एंटिटी के रूप में खुद को प्रश्तुत करते थे। लेकिन पूछताछ के दौरान इनके पास से कोई भी आवश्यक कागज बरामद नहीं हुए हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों चीटिंग फोर्जरी और एंबलम एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

नोएडा के डीपीपी सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना फेस 3 पुलिस के गिरफ्त में खड़े विभाष चंद्र अधिकारी, आरग्य अधिकारी, बाबुल चंद्र मंडल, पिंटू पाल, समापदमल और आशीष कुमार को सेक्टर 70 स्थित फर्जी कार्यालय से गिरफ्तार किया गया है। सेंट्रल नोएडा के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि इन लोगों ने 4 जून को कार्यालय खोलने के लिए रेंट एग्रीमेंट किया था, और एक हफ्ते से बोर्ड लगाकर ऑफिस का संचालन कर रहे थे। जब शिकायत मिली तो जांच के दौरान पता चला कि यह लोग इंटरनेशनल पुलिस और क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो के नाम पर लोगों को भ्रमित कर रहे थे और लोगों को झांसा देते थे कि वह उनके पुलिस के काम करवा सकते हैं और खुद को एक पैरेलल पुलिस का सिस्टम दिखा कर

लोगों से ठगी कर रहे थे। डीसीपी ने बताया कि आरोपियों जिन रंगों का उपयोग किया है वो पुलिस के रंग है और ये लोग पुलिस का जो लोगो इश्तेमाल कर रहे थे, वो एक राज्य सरकार के पुलिस लोगों से मिलता जुलता है। परन्तु इनके पास उसका कोई भी कॉपीराइट या कोई भी ट्रेडमार्क या कोई भी लोगो का रजिस्ट्रेशन नहीं है। इस तरह के इनके पास कई सारे दश्तावेज मिले हैं जो पुलिस का रंग, पुलिस का लोगो और एक भ्रामक छवि बनाने के उद्देश्य से इन्होंने इस तरह के दश्तावेज और का उपयोग किया है। शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पकडे गए आरोपी ओरिजिनली वेस्ट बेंगाल के रहने वाले हैं. इन के पास 9 मोबाइल फोन, 17 स्टांप मोहर, 6 चेक बुक, 9 आईडेंटिटी कार्ड, एक पैन कार्ड, एक वोटर आई कार्ड, 6 एटीएम कार्ड, तीन प्रकार के विजिटिंग कार्ड, मंत्रालय से प्राप्त सर्टिफिकेट, कंप्यूटर और चार इंटरनेशनल पुलिस एंड क्राइम इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो के बोर्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस उनके खातों के रिकॉर्ड, ट्रांजैक्शंस की जानकारी कर रही है ताकि पता चलता है कि ये कही मनी लॉनड्रिंग जैसे अपराध से जुड़े तो नहीं है।

गंगा उफान पर, दादों में सैकड़ों बीघा फसल डूबी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

दादों क्षेत्र में गंगा का जलश्तर खतरे के निशान को पार कर देने से नदी के पास के खेतों में पानी गया है, पानी भर जाने के कारण किसानों की सैकड़ों बीघे फसल डूब गई है।

यहां से गुजरने वाले सड़क मार्ग पर भी पानी आ गया है। यह आशंका भी जताई जा रही है कि अगर जलश्तर बढ़ा तो आबादी तक पानी पहुंच सकता है। बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने भी बाढ़ से निपटने के लिए कमर कसली है। लेखपाल क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों को समझा रहे है।

अधिकारियों के द्वारा पिछले वर्ष सांकरा गंगा में ढ़ाई लाख क्यूसेक तक जलश्तर को सामान्य समझा था, लेकिन अब नरौरा बैराज से गंगा में 2 लाख 81 हजार 676 क्यूसेक पानी बह रहा है। जबकि ढाई लाख क्यूसैक से जलश्तर ऊपर जाना ही खतरा माना जा रहा था। उससे 31 हजार 676 क्यूसेक पानी गंगा में खतरे के निशान को पार करके बह रहा है। गंगा के खतरे के निशान से ऊपर बह रहे जलश्तर को देखकर ग्रामीणों की नजरें प्रशासन की ओर टिकी हुई हैं।

रविवार को बाढ़ग्रश्त क्षेत्र में के अंतर्गत आने वाले गांव रुश्तमनगर, कस्बा सांकरा, बबरोतिया, हमीरपुर, किरतौली, नगला आलिया, गतौली आदि गांवों में जंगल के समीप पानी पहुंच जाने से ग्रामीणों के पशुओं के खाने का चारा व खेतों में खड़ी धान-बाजरा की फसल जलमग्न हो गई है।

ग्रामीण अपने परिवार को स्वयं सर्तक रखे हुए हैं। किसानों की फसल क्षेत्र में तो पानी आ ही गया हैं। अगर अब जलश्तर बढ़ता है तो पानी जरूर घरों में आ जाएगा। इधर कई गांव के नजदीक बाढ़ का पानी पहुंचने से कीटनाशक कीट भी जल में उत्पन्न हो रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में बीमारी पनपने की चिंता होने लगी है।

क्षेत्रीय लेखपाल ने बताया प्रशासन ने श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज, सांकरा व सीसई इण्टर कॉलेज में बाढ़ चौकी पहले से ही स्थापित की गई है। इसी के साथ-साथ अगर कोई भी जहरीले कीटों, सर्प या अन्य किसी जहरीले कीड़े के द्वारा किसी भी व्यक्ति को कोई काट ले। उसे बेहोशी या मौत होने जैसी समस्याएं हो तो इसकी दवा बिजौली के सीएससी केंद्र पर भी उपलब्ध करा दी गई हैं। हर आदमी वहां जा कर दवा ले सकता है औा विशेष परिस्थिति में एम्बुलेंस की मदद ले सकता है।

एसडीएम अतरौली सुमित सिंह ने बताया कि गंगा का जलश्तर अब बढ़ गया है, जिसके चलते लेखपालों के साथ बाढ़ क्षेत्र का दौरा किय जायेगा और ग्रामीणों को समझाया गया है। अभी आबादी के करीब व फसल की आबादी में पानी है।

प्रशासन द्वारा पूरी निगरानी की जा रही है। इसी के साथ रुश्तमनगर ग्राम पंचायत के प्रधान छोटे यादव ने बताया जलश्तर तो बढ़ गया है। जलश्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है। गंगा नदी का पानी आबादी क्षेत्र से काफी दूर है। खतरे जैसी कोई बात नहीं है। एहतियातन लोगों को समझाया जा रहा है। बाढ़ चौकियां मुश्तैद हैं।

अधिशासी अभियंता, नरौरा खंड गंगा प्रदीप सिंह पटेल ने बताया कि गंगा का जल श्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। बाढ़ के खतरे को ध्यान में रखकर तटवर्ती स्थानों पर रह रहे लोगों को सचेत किया गया है। प्रशासन ने बाढ़ चौकी बनाई है। लोग सतर्कता से रहें।

झमाझम बरसात से जन जीवन अस्त व्यस्त

अलीगढ़। झमाझम बारिश से मौसम तो सुहाना हो गया और लोगों ने गर्मी से राह की सांस भी ली, लेकिन वहीं सड़कों पर भरे पानी ने नगर निगम के नालों ककी सफाई की भी पोल खोलकर रखदी।

सड़कों और गली मोहल्लों में बरसात का पानी भर गया। जिससे लोगों को काफी मशक्कत उठानी पडी। रविवार को अपराह्न 3 बजे से हुई बारिश रामघाट रोड पर नाले लबालब हो गये। जलभराव से नालों का पानी भी सड़कों पर आ गया। जिससे लोगों को खासी परेशानी उठानी पडी।

करीब एक घंटे से अधिक बरसात के कारण रामघाट रोड दुकानों कें आगे पानी भर गया। लोग बरसात से बचने के लिए दुकानों के आगे खडे हो गये।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुँची राहत

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

बाढ़ से जूझ रहे परिवारों के चेहरों पर आज राहत की मुस्कान लौट आई, जब प्रशासनिक अमला और भाजपा नेतृत्व मदद लेकर पहुँचा।

शुक्रवार को एसडीएम रीतू रानी ने नहटौर प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया था। इसके उपरान्त शनिवार को नहटौर क्षेत्र के ग्राम सिजौली स्थित गुरुद्वारे से भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान उर्फ बॉबी, तहसीलदार धनराज, नायब तहसीलदार राजकमल ने संयुक्त रूप से ग्राम सिजोला, सिजौली, अकबरपुर गारव और हरगनपुर के बाढ़ पीड़ति परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक ओमवीर, सुरेन्द्र यादव, लेखपाल प्रदीप तालियांन, विपिन समेत राजस्व विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

गांव में रात को उड़ते ड्रोन से दहशत ग्रामीण रातभर जागकर कर रहे पहरा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना रोरावर क्षेत्र के गांव नौगमा तालसपुर अर्जुन में बीती रात एक रहस्यमयी ड्रोन कैमरा उड़ते देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। ग्राम प्रधान होमेंद्रपाल सिंह ने बताया कि रात के अंधेरे में ड्रोन गांव के ऊपर चक्कर लगा रहा था।

ऐसा लग रहा था जैसे घर-घर की निगरानी कर रहा हो। कुछ ग्रामीणों का दावा है कि ड्रोन से जुड़े लोग पशुओं को खोलने और चोरी की नीयत से घरों की टोह ले रहे थे। गांव की महिलाओं ने बताया कि ड्रोन बिल्कुल वैसा था जैसा शादी-विवाह में वीडियोग्राफी के लिए इश्तेमाल किया जाता है।

लेकिन यह घरों के अंदर झांकता हुआ उड़ रहा था। इससे लोग काफी भयभीत हैं।

आशंका जताई जा रही है कि ड्रोन के जरिए देखा जा रहा है कि कौन सो रहा है और कौन जाग रहा है। फिर मौके का फायदा उठाकर घटना को अंजाम दिया जा सकता है। यह ड्रोन कभी एक होता है तो कभी चार की संख्या में भी देखे गए हैं।

इससे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। गांव में अब लोग रात भर जागकर पहरा दे रहे हैं। बुजुर्ग से लेकर बच्चे तक सतर्क हैं।

कोई आंगन में बैठा है तो कोई छत पर नज़र रख रहा है। यह अनजाना डर ग्रामीणों की नींद छीन चुका है। लेकिन ग्रामीण एकजुट होकर अपनी सुरक्षा खुद संभालने में जुटे हैं। रहस्यमयी ड्रोन की तलाश और इसकी सच्चाई अब तक पर्दे में है।

रक्षाबंधन के पर्व पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर दीर्घायु की कामना की

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना। भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व देश भर में हर्षोल्लास खुशी के माहौल में मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर दीर्घायु की कामना की तो वहीं भाइयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प लिया।

शनिवार को नगीना में सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही रक्षाबंधन पर्व मनाना शुरू हो गया। रोडवेज बस स्टैंड तथा प्राइवेट बस स्टैंड पर आने जाने वाले यात्रियों की काफी भीड़ देखने को मिली वही शहर में मिठाइयों की दुकानों तथा

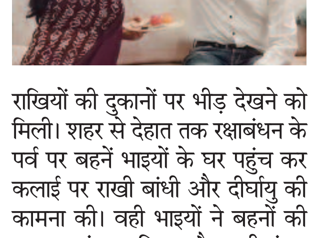

राखियों की दुकानों पर भीड़ देखने को मिली। शहर से देहात तक रक्षाबंधन के पर्व पर बहनें भाइयों के घर पहुंच कर कलाई पर राखी बांधी और दीर्घायु की कामना की। वही भाइयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प लिया और राखी बंधन के बाद बहनों को गिफ्ट भेंट किया।

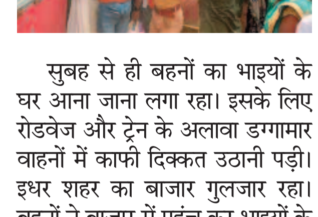

सुबह से ही बहनों का भाइयों के घर आना जाना लगा रहा। इसके लिए रोडवेज और ट्रेन के अलावा डग्गामार वाहनों में काफी दिक्कत उठानी पड़ी। इधर शहर का बाजार गुलजार रहा। बहनों ने बाजार में पहुंच कर भाइयों के लिए राखी और मिठाईयां सहित फलों की खरीदारी की।

संपादकीय

हरियाणा में टीचर ट्रांसफर : सरकारी सिस्टम का अमर रोग

हरियाणा में शिक्षक ट्रांसफर एक ऐसी बीमारी बन चुका है, जिसका कोई इलाज सरकार के पास नहीं, और शायद खोजने की कोशिश भी नहीं। यह बीमारी केवल प्रशासनिक फाइलों में नहीं, बल्कि हजारों शिक्षकों के दिलों, दिमाग और घरों में पसरी हुई है। बीते नौ साल से इसका लक्षण एक ही है-वादा, तारीख, बहाना, फिर नई तारीख, और फिर एक और बहाना। सरकारें आती-जाती रहीं, चेहरों पर बदलाव होता रहा, पर इस बीमारी की आदत नहीं बदली।

सरकार के लिए यह सिर्फ एक प्रक्रिया है-कंप्यूटर के एमआईएस पोर्टल पर एक क्लिक, किसी फाइल को एक टेबल से दूसरी टेबल पर रखना। लेकिन एक शिक्षक के लिए ट्रांसफर का मतलब है-हर दिन 80-150 किलोमीटर का सफर खत्म होना, बीमार माता-पिता के पास लौटना, बच्चों की हंसी सुनना, या बीमार जीवनसाथी का हाथ पकड़ना। यह उसकी जीवन की दिशा तय कर सकता है, लेकिन सरकारी दृष्टि में यह बस एक "पेंडिंग केस" है, जो किसी दिन निपटा दिया जाएगा।

इस बीमारी का इलाज ढूंढने की जगह सरकार ने बहानों की एक स्थायी दुकान खोल रखी है। कभी एमआईएस पोर्टल में गड़बड़ी, कभी डेटा में विसंगति, कभी प्रक्रिया स्थगित, कभी चुनाव आचार संहिता, कभी मिड-सेशन का बहाना, तो कभी मॉडल संस्कृति स्कूलों के टेस्ट-और फिर उन्हें भूल जाना। बहानों की यह लिस्ट इतनी लंबी हो चुकी है कि अब कोई नया बहाना खोजने की भी जरूरत नहीं पड़ती-पुराने बहाने ही नए पैक में पेश कर दिए जाते हैं, जैसे पुराने अनाज में नया लेबल चिपका देना। पिछले दिसंबर में नई सरकार आई तो शिक्षकों में उम्मीद की लौ जली। कहा गया-'कुछ हफ्तों में ट्रांसफर हो जाएंगे'।

'शिक्षकों ने राहत की सांस ली। मार्च आया-'थोड़ा इंतजार करें'। मई-'अब जल्दी करेंगे'। जून, जुलाई, अगस्त-हर बार नया वादा, वही बहाना। नई सरकार ने पुराने बहाने ही नए पैकेजिंग में बेच दिए। बस डायलॉग बदल गए, नीयत वही रही। शायद सरकार के अफसर मानते हैं कि रोज 80-150 किलोमीटर का सफर करने वाले शिक्षक किसी "फिटनेस मिशन" का हिस्सा हैं! सुबह 5 बजे घर से निकलना, बीएलओ ड्यूटी, पीपीपी अपडेट, मिड-डे मील का हिसाब, एक साथ तीन कक्षाओं को पढ़ाना-सरकार की नजर में यह "वर्कआउट" है। यह अलग बात है कि इस वर्कआउट में शिक्षक की कमर और घुटने पहले जवाब दे देते हैं, फिर मन और आत्मा।

घर अब रविवार का ठिकाना बन चुका है। बच्चों की हंसी, माँ की दवाई, घर की छोटी-बड़ी जिम्मेदारियां-सब सिर्फ "सोच" में रह जाती हैं! जब शिक्षक खुद अपने बच्चों से दूर रहकर दूसरों के बच्चों को पढ़ाता है, तो यह त्याग है या मजबूरी? सरकार इसे त्याग कहकर अपनी पीठ थपथपा लेती है, लेकिन यह सच में किसी का दिल तोड़ने वाला मजबूरी का जीवन है। संवेदनशीलता किस मंत्रालय के अधीन आती है, शायद किसी को याद नहीं। सरकारी फाइलों में ट्रांसफर बस एक डेटा कॉलम का बदलाव है, लेकिन असल में यह किसी इंसान की मानसिक शांति, पारिवारिक स्थिरता और पेशेवर प्रदर्शन का आधार है।

लेकिन इन बातों का कोई कॉलम एमआईएस पोर्टल पर नहीं होता, इसलिए इनकी कोई अहमियत भी नहीं। सरकारी जवाब हमेशा तय होता है-'जल्दी होंगे, सिस्टम पर काम चल रहा है।' यह वही 'जल्दी' है जिसमें 9 महीने में बच्चा पैदा हो जाता है, पर ट्रांसफर का फाइल पोर्टल से बाहर नहीं निकलता। सच तो यह है कि ट्रांसफर का बटन तभी दबता है, जब राजनीति को उसका फायदा हो। चुनाव नजदीक आएं या किसी खास वोट बैंक को खुश करना हो, तभी प्रक्रिया अचानक तेज हो जाती है। बाकी समय, 'तकनीकी कारणों' के ताले में शिक्षक की जिंदगी कैद रहती है। यह समझना होगा कि शिक्षक मशीन नहीं है। उसके पास भी भावनाएँ हैं, थकावट है, परिवार है, सपने हैं। जब सरकार उसकी परेशानियों को 'व्यक्तिगत' कहकर टाल देती है, तो वह केवल हतोत्साहित नहीं होता-वह धीरे-धीरे टूटने लगता है। और एक टूटा हुआ शिक्षक सिर्फ अपना मनोबल नहीं खोता, बल्कि आने वाली पीढ़ी के सपनों को भी कमजोर कर देता है।

ट्रांसफर कोई "फेवर" नहीं, बल्कि अधिकार है। इसे एक पारदर्शी, समयबद्ध और संवेदनशील प्रक्रिया में किया जाना चाहिए। परिवार, स्वास्थ्य और सामाजिक परिस्थितियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। तकनीकी गड़बड़ियों और बहानों की यह पुरानी आदत खत्म होनी चाहिए।

हरियाणा की ट्रांसफर व्यवस्था उस पुराने हैंडपंप जैसी है, जो कभी पानी देता है, कभी नहीं। जब पानी आता है, लोग कहते हैं-'देखो, काम कर रहा है।' और जब नहीं आता, तो कहते हैं-'पाइपलाइन ठीक हो रही है, इंतजार करो।' सवाल है-कब तक शिक्षक अपनी जिंदगी इस सूखी पाइपलाइन के भरोसे गुजारेंगे?

ट्रांसफर में देरी कोई तकनीकी गलती नहीं-यह संवेदनशीलता की कमी है। जब तक सरकार यह नहीं समझेगी कि शिक्षक भी इंसान है, तब तक यह रोग अमर रहेगा। नई सरकारें पुराने इलाज को नए नाम से बेचती रहेंगी, और मरीज-यानि शिक्षक-दिन-ब-दिन कमजोर होता जाएगा।

शिक्षक का पद सम्मानित है, लेकिन यह सम्मान सिर्फ मंच पर भाषणों में नहीं, उनके जीवन में भी दिखना चाहिए। जब शिक्षक घर लौटकर अपने बच्चों के साथ खाना खा सके, बीमार माता-पिता की सेवा कर सके, या जीवनसाथी का हाथ पकड़कर मुश्किल वक्त में खड़ा रह सके, तभी शिक्षा का असली मूल्य बनेगा। वरना, हम बस आंकड़ों में "शिक्षक संतुष्टि" लिखते रहेंगे, और हकीकत में वे भीतर से खाली होते जाएंगे। सरकार को अब सिर्फ नीति नहीं, नीयत भी बदलनी होगी।

सिस्टम को यह मानना होगा कि शिक्षक कोई संसाधन नहीं, बल्कि समाज की आत्मा हैं। और जब आत्मा को रोज़-रोज़ थकाकर, तोड़कर, दूर रखकर जिंदा रखने की कोशिश की जाती है, तो न समाज बचता है, न शिक्षा।

अमेरिकी दादागिरी पर मोदी की ललकार

ललित गर्ग

देश के अग्रणी कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि-क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ललकारभरे शब्दों में अमेरिकी टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा, भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का द्योतक है।

ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ को भारत ने अनुचित एवं दुर्भावनापूर्ण बताया है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिये बाजार खोलने के दबाव कभी नहीं आयेगा क्योंकि भारत के लिये यह एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है। इस समारोह में मोदी ने जो शब्द कहे, वे केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि नये भारत, सशक्त भारत की एक स्पष्ट नीति का घोषणा पत्र है, भारत की नई कृषि रणनीति, आत्मनिर्भरता की भावना और अमेरिकी टैरिफ की दादागिरी को खुली चुनौती है। भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है और दुनिया की कोई भी ताकत उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकती।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ पर पहली बार प्रतिक्रिया दी, और अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था। यह विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है कि ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन यह समझना आसान है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी कृषि ट्रेड डील भी है।

वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेयरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन देश की बड़ी आबादी खेती पर आश्रित है और किसान आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हैं। इसलिये वे सब्सिडाइज्ड अमेरिकी प्रॉडक्ट्स से होड़ नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के जरिये भारत का यही पक्ष एवं किसानों की चिन्ता को रखा है। लेकिन ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर नाकामी का ठीकरा फोड़ने के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूक्रेन युद्ध न रुकवा पाने की हताशा ट्रंप के फैसलों में बौखलाहट के रूप में झलक रही है।

पहले उन्होंने चीन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब वहां से 'रेयर अर्थ मिनरल्स' के रूप में झटका लगा, तो भारत और रूस से अपनी बात मनवाना चाहते हैं।

हाल ही में अमेरिका द्वारा भारतीय कृषि उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा को प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल अनुचित और एकतरफा करार दिया, बल्कि यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब वैश्विक मंच पर दबाव में आने वाला नहीं है।

अमेरिका की यह टैरिफ नीति, डब्ल्यूटीओ के सिद्धांतों के विरुद्ध और विकासशील देशों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार का प्रतीक है। भारत पर विशेषकर चावल, गेहूं, दलहन, और मसालों के निर्यात में टैरिफ लगाना सीधे-सीधे भारतीय किसानों की आय पर प्रहार है। ऐसे समय में जब भारत कृषि निर्यात को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है, अमेरिका की यह नीति दादागिरीपूर्ण व्यापारवाद का उदाहरण है। भले ही ट्रंप की टैरिफ पैंतरें ने दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी हो, लेकिन भारत ऐसी चुनौतियों के सामने झुकने वाला नहीं है।

भारत अब केवल अमेरिका या यूरोप पर निर्भर नहीं रहना चाहता। अफ्रीका, खाड़ी देशों, दक्षिण एशिया और पूर्वी एशियाई देशों के साथ द्विपक्षीय कृषि व्यापार समझौते तेजी से किए जा रहे हैं। स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहन, 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' के तहत कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को बल दिया जा रहा है, जिससे निर्यात योग्य उत्पादों का मूल्यवर्धन हो सके। डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, तकनीक के माध्यम से किसानों को वैश्विक बाजार की जानकारी, टैरिफ डाटा और निर्यात संभावनाओं से जोड़कर किसानों की ताकत को बढ़ाया जा रहा है। भारत टैरिफ के जवाब में टैरिफ की राह पर बढ़ते हुए यदि आवश्यकता पड़ी, तो

प्रतिस्पर्धी टैरिफ नीति के तहत अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने से नहीं हिचकिचाएगा। भारत डब्ल्यूटीओ और जी20 आदि मंचों पर आक्रामक कूटनीति का सहारे लेकर अब विकासशील देशों की आवाज बनकर, अमेरिका की एकतरफा नीतियों का जवाब दे रहा है।

देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आंतक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती।

हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है।

एम.एस. स्वामीनाथन का नाम आते ही भारतीय कृषि का वह स्वर्णिम अध्याय सामने आता है, जब देश अन्न के लिए विदेशों पर आश्रित था और अकाल एक आम त्रासदी हुआ करती थी। 1960 के दशक में स्वामीनाथन ने नॉर्मन बोरलॉग के साथ मिलकर उच्च उपज वाली किस्मों (एचवाईवी), उर्वरकों और सिंचाई तकनीक का ऐसा संगम किया जिसने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना दिया। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू हुई हरित क्रांति ने न केवल खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि भारत की कृषि पहचान को वैश्विक पटल पर स्थापित किया। उनकी रिपोर्टें, विशेष रूप से स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें, आज भी किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें बाजार से न्याय दिलाने की कुंजी मानी जाती हैं। उन्होंने 'किसान केंद्रित कृषि नीति' का विचार दिया, जिसमें किसानों को केवल उत्पादनकर्ता नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माता माना गया।

मोदी इसी नीति को आगे बढ़ाते हुए न केवल किसानों के हितों के साथ रहे हैं, बल्कि भारतीय कृषि को नये भारत का आधार बनाने के लिये संकल्पबद्ध है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का जोर अब 'अन्नदाता को ऊर्जादाता' बनाने पर है। इसके लिए कृषि के तीन प्रमुख मोर्चों पर काम हो रहा है- न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को अधिक न्यायसंगत और पारदर्शी बनाना। कृषि निर्यात को 50 बिलियन डॉलर से ऊपर ले जाना। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को चरणबद्ध लागू करना, जिससे किसानों को लागत से 50 प्रतिशत अधिक लाभ मिल सके।

आज जब हम एम.एस. स्वामीनाथन की वैज्ञानिक दृष्टि को याद करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि उनकी सोच सिर्फ उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि किसान को सशक्त करने, आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक ताकतों के सामने टिके रहने योग्य बनाने की थी। मोदी की यह नई नीति उसी दर्शन की राजनीतिक अभिव्यक्ति है।

सही मायनों में भारतीय कृषि में उन आमूल-चूल परिवर्तनों की आवश्यकता है जो न केवल किसान की आय बढ़ाएं बल्कि कृषि उत्पादों को विश्व बाजार की चुनौतियों से मुकाबला करने में भी सक्षम बनायें। एक सौ चालीस करोड़ आबादी वाला देश भारत दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। इस आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना भी देश की प्राथमिकता होनी चाहिए।

ऐसे में हरित क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम हर हालात में मेहनतकश अन्नदाता को पूरे दिल से समर्थन दें। भारत अब 'झुककर व्यापार' नहीं करेगा, बल्कि 'सम्मान के साथ साझेदारी' करेगा।

अमेरिका जैसे देशों को यह समझना होगा कि भारतीय किसान अब केवल हल चलाने वाला नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार का खिलाड़ी है। और जब उसके पीछे स्वामीनाथन की विरासत और मोदी की नेतृत्वशक्ति हो, तो कोई भी टैरिफ, कोई भी दबाव, भारत की कृषि शक्ति को झुका नहीं सकता।

आपदा में दिख रही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ ने कई जिलों में तबाही मचाई लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता ने राहत कार्यों को एक नई दिशा देने का कार्य किया है। उनकी कार्यशैली में जनता की सुरक्षा और जनकल्याण पहली प्राथमिकता है जिसका स्पष्ट प्रमाण हाल के दिनों में अतिवृष्टि और बाढ़ के दौरान प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदाओं में किए गए राहत कार्यों और अनेक फैसलों में देखा जा सकता है।

प्राकृतिक आपदा के समय त्वरित निर्णय लेने की सबसे अधिक आवश्यकता किसी भी शासक को होती है। डॉ. मोहन यादव ने अपने अभी तक के कार्यकाल में इस बात को साबित किया है आपदा की घड़ी में त्वरित निर्णय लेकर अनेक जिंदगियों को बचाया जा सकता है। डॉ. मोहन यादव ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि जान-माल की सुरक्षा करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन दिनों बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार समीक्षा कर रहे हैं जिसके चलते प्रशासन भी पूरा मुश्तैद नजर आ रहा है।

मध्यप्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न संकट के दौरान उन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और प्रशासन के समन्वित प्रयासों के माध्यम से प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोहन सरकार ने अतिवृष्टि से प्रभावित 432 बचाव अभियान चलाकर 3628 नागरिकों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया और 53 राहत शिविरों में 3065 लोगों को भोजन, दवाइयां, कपड़े और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान की। प्रदेश में तैनात बचाव राहत दलों द्वारा 432 बचाव अभियान चलाए गए जिसमें 3628 नागरिकों तथा 94 मवेशियों को जीवित बचाया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव में एक कुशल प्रशासक के साथ एक संवेदनशील राजनेता की छवि भी दिखाई देती है।

वे आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए तत्काल पहुंचते हैं और प्रशासन को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी देते हैं। उन्होनें स्वयं आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। गुना में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को समझकर तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उनकी यह संवेदनशीलता न केवल प्रशासन को प्रेरित करती है, बल्कि जनता में भी विश्वास जगाती है कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत दिनों हुई भारी वर्षा ने जिले में 32 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ा है।

इस चुनौती का प्रशासन ने तत्परता एवं समन्वय के साथ सामना किया। इस दौरान एनडीआरएफ की 70 सदस्यीय टीम द्वारा सघन बचाव कार्य किए। विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं एवं प्रशासनिक अमले ने मिलकर भोजन पैकेट वितरण, अस्थायी आश्रय स्थल की स्थापना तथा आवश्यक सामग्री वितरण जैसे राहत कार्य किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी, गुना, दमोह, रायसेन, छिंदवाड़ा के बाढ़ प्रभावितों से वर्चुअली चर्चा की और प्रभावितों से बाढ़ के दौरान प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावितों को अभी तक 58 करोड़ की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरित कर चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 2025-26 में राहत के विभिन्न मदों में अब तक 123 करोड़ की राहत राशि प्रभावितों को वितरित की गई है।

अभी कुछ दिन पहले सीएम डॉ.यादव शिवपुरी जिले के ग्राम पचावली पहुंचकर भीषण बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित राहत कार्यों का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि अतिवर्षा से उत्पन्न परिस्थितियाँ हमारे लिए परीक्षा की घड़ी हैं। जनता के सहयोग और प्रशासन के समर्पण से स्थिति पर नियंत्रण पाया गया है। उन्होंकने कहा कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ग्रश्तर क्षेत्रों में राहत कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उनके इस संवेदनशील और सक्रिय दृष्टिकोण की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जमकर तारीफ की है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यान से सुना। उन्होंने प्रभावित परिवारों को मकान क्षति और खाद्यान्न के लिए तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की।

साथ ही, मक्का और सोयाबीन की फसलों को हुए नुकसान के लिए मुआवजे का निर्देश भी दिया। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए और मुआवजा शीघ्र वितरित हो। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव का ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझने और त्वरित कार्रवाई करने का प्रयास सराहनीय है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाढ़ से प्रभावित स्थायनीय नागरिकों को मकान क्षति तथा खाद्यान्न के लिए सहायता राशि भी प्रदान की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए पहले से ही व्यापक तैयारियां शुरू कर दी थी। 22 जुलाई को उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को बाढ़ की पूर्व तैयारियों के लिए निर्देश दिए और 9 जून को मुख्य सचिव द्वारा विश्तृत समीक्षा की गई थी। इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और धार में तैनात की गई, जबकि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल को संवेदनशील क्षेत्रों में सक्रिय किया गया।

पूरे प्रदेश में 259 संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित कर डिजास्टर रेस्पॉन्स सेंटर स्थापित किए गए और 111 क्विक रेस्पॉन्स टीमें तैनात की गई। इसके अतिरिक्त, 3300 आपदा मित्रों और 80, 375 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित किया गया जिससे जन-सामान्य को आपदा प्रबंधन में शामिल किया जा सका। यह दर्शाता है कि डॉ.मोहन यादव का दृष्टिकोण न केवल प्रशासनिक श्तर पर, बल्कि सामुदायिक सहभागिता के श्तर पर भी बेहद प्रभावी रहा है।

सरकार द्वारा प्रदेश में अतिवृष्टि प्रभावित लोगों के लिए राहत शिविर अभियान चलाकर उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएँ प्रदान की जा रही है। इन राहत शिविरों में दवाइयां, भोजन तथा पेयजल त्विरित रूप से उपलब्धस कराया जा रहा है। इसके अलावा वैकल्पिक मार्ग तत्कााल उपलब्ध। कराये जा रहे हैं ताकि आवागमन में कोई व्यतवधान उत्पान्नच न हो।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को बाढ़ के खतरों के बारे में समय रहते सूचित किया जाये। इस कार्य के लिए राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष के द्वारा लगातार रेड अलर्ट मोबाइल के माध्यम से भेजे गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आपदा प्रबंधन में बांधों के जलश्तर की सतत निगरानी और गेट खोलने-बंद करने की प्रक्रिया को सुनिश्चित किया, ताकि बाढ़ से जन-हानि न हो और भविष्य में सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बनी रहे। इसके अलावा मौसम विभाग की चेतावनियों को समय पर जनता और राहत दलों तक पहुंचाने के लिए मोबाइल रेड अलर्ट सिस्टम और 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए।

उनके नेतृत्व में प्रभावित क्षेत्रों में 254 ग्रामीण सड़कों में से 212 का तत्काल सुधार किया गया और बैरीकेड्स लगाकर यह सुनिश्चित किया गया कि कोई दुर्घटना न ह, साथ ही 3600 करोड़ रुपये की व्यवस्था राहत कार्यों के लिए की गई। उन्होंने जिले के विभिन्न वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि या बाढ़ प्रभावितों को कोई भी कठिनाई न आने पाये। जल्द ही जल्द सर्वे पूरा कर पीड़ितों को उनके नुकसान की समुचित भरपाई की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आपदा के समय न केवल प्रशासनिक श्तर पर सक्रियता दिखाई, बल्कि जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी सुरक्षा के लिए अपील भी की। उन्होंने नागरिकों से बाढ़ प्रभावित नदी-नालों में न उतरने, तेज बहाव वाले पुल-पुलियों से आवागमन न करने और कच्चे मकानों में सावधानी बरतने का आग्रह किया।

उनकी यह अपील दर्शाती है कि वे जनता को जागरूक करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि राहत शिविरों में रह रहे लोगों को भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां और कपड़े जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। उनकी यह संवेदनशीलता इस बात को रेखांकित करती है कि वे गाँव के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के हितों के लिए हमेशा उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आपदा में ग्रामीणों के बीच उनकी सक्रियता न केवल प्रशासनिक दक्षता को दर्शाता है, बल्कि सरकार की जन-केंद्रित नीतियों को भी रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय क्षमता और कुशल नेतृत्व के माध्यम से मध्यप्रदेश में आपदा के राहत कार्यों को एक नई दिशा दी है।

उनकी सरकार ने न केवल आपदा के समय तत्परता से कार्य कर रही है बल्कि पूर्व-तैयारी और जन-सहभागिता के माध्यम से भविष्य की आपदाओं से निपटने की मजबूत नींव भी रखी है। उनकी यह कार्यशैली न केवल प्रशासनिक दक्षता का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि एक संवेदनशील सरकार आमजन के बीच पहुंचकर समाज के हर वर्ग के साथ खड़ी हो सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की आपदा के दौर में यह संवेदनशीलता मध्यप्रदेश की जनता के लिए के लिए नई उम्मीद और विश्वास का प्रतीक बन गई है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

चुनाव आयोग पर फूटा राहुल का 'एटम बम'?

तनवीर जाफ़री

भारत वर्ष को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में जहां दुनिया जानती है वहीं यहाँ होने वाले चुनाव भी पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। कई बार विश्व के नेताओं के प्रतिनिधिमंडल हमारे विशाल देश की चुनावी प्रक्रिया को देखने व समझने के लिये चुनावों के दौरान भारत आते रहे हैं।

उधर भारतीय चुनाव आयोग जहां इस विशाल चुनाव के सफल संचालन का हमेशा श्रेय लेता आया है वहीं इन्हीं चुनावों में प्रायः कहीं न कहीं चुनावी धांधली के आरोप भी लगते रहे हैं।

विगत में लोकसभा व विधानसभा के कुछ चुनाव तो ऐसे भी संपन्न हुये जिनके परिणामों ने चुनाव पूर्व होने वाले सभी सर्वेक्षणों को पूरी तरह नकार दिया।

वैसे भी जब से देश में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से वोट पड़ने शुरू हुये हैं उसी समय से मतदान की निष्पक्षता पर सवाल उठते रहे हैं। स्वयं भारतीय जनता पार्टी के ही वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रह्मण्यम स्वामी, व राज्यसभा सांसद जी.वी.एल. नरसिम्हा राव जैसे कई प्रमुख नेताओं ने समय-समय पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुये इसके इश्तेमाल का विरोध किया है।

बहरहाल 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद ईवीएम की विश्वसनीयता का सवाल अब विपक्षी दलों द्वारा किया जाने लगा है।

पिछले एक दशक से होने वाले लगभग सभी चुनावों में ईवीएम से होने वाली धांधलियों के अनेक आरोप लगते रहे हैं। कभी ईवीएम बदलने के तो कभी ईवीएम चोरी होने के। कभी मतदाताओं को यह कहते सुना गया कि उन्होंने वोट तो कहीं और दिया परन्तु वीवीपैट मशीन किसी दूसरे निशान पर वोट पड़ा बताती है।

हालाँकि पिछले चुनावों में कई बार कई राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें भी बनीं परन्तु ईवीएम का विरोध निरंतर जारी रहा। दिल्ली में जंतर मंतर पर अनेक बार ईवीएम विरोधी प्रदर्शन भी हुये। देश के वकीलों का एक बड़ा वर्ग खुलकर ईवीएम के विरोध में खड़ा हुआ परन्तु सरकार व चुनाव आयोग ईवीएम पर ही विश्वास जताते रहे। परन्तु अब मामला ईवीएम की विश्वसनीयता से भी आगे बढ़कर वोटर लिस्ट में हो रही भयंकर धांधली का उजागर हुआ है। और इसका भंडाफोड़ किया है लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी ने।

गत 7 अगश्त को राहुल गांधी ने 'बड़े पैमाने पर हो रही चुनावी धोखाधड़ी को उजागर किया। उन्होंने विशेष रूप से कर्नाटक के बेंगलुरु मध्य लोकसभा क्षेत्र में, महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए मतदाता सूचियों में, विशिष्ट अनियमितताओं को उजागर किया।

राहुल गांधी ने दावा किया कि केवल (महादेवपुरा) क्षेत्र में, कुल 6.5 लाख मतदाताओं में से, 1 लाख से अधिक फ़र्ज़ी मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ा गया, जिससे उस क्षेत्र में भाजपा की 1, 14, 046 मतों के महत्वपूर्ण अंतर से जीत हुई। उन्होंने मतदाता सूची में विसंगतियों के उदाहरण दिए और मतदाता सूचियों में हेराफेरी, डुप्लिकेट मतदाता, साक्ष्यों का विनाश और पारदर्शिता का अभावः, असामान्य मतदान पैटर्न आदि विषयों को प्रमाण सहित उठाया।

गांधी ने कथित वोट चोरी में शामिल चुनाव आयोग के शीर्ष से लेकर निचले श्तर तक के अधिकारियों को चेतावनी भी दी कि उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भी परिणाम भुगतने होंगे।

उन्होंने उनके कार्यों को 'देशद्रोही' और राष्ट्रहित के विरुद्ध क़रार दिया, और कहा कि कांग्रेस उन्हें जवाबदेह ठहराएगी। राहुल गांधी ने छः महीने की कड़ी मशक़्क़त के बाद कांग्रेस द्वारा जुटाए गए इन सबूतों को 'परमाणु बम' का नाम दिया। उन्होंने कहा कि इनके सार्वजनिक प्रकाशन से चुनाव आयोग की भूमिका उजागर हो जाएगी और उसके पास 'छिपने की कोई जगह नहीं बचेगी।'

दरअसल राहुल गाँधी के मांगने पर चुनाव आयोग ने लगभग तीन क्विंटल से भी अधिक काग़ज़ों के विशाल बण्डल उन्हें भेजे थे। राहुल ने अपने विशेषज्ञों के साथ इन काग़ज़ात में से केवल 4 किलो काग़ज़ का चुनाव किया और बड़ी बारीकी से उनका डेटा अध्ययन किया। जब इन काग़ज़ात में ही वोटों की बड़ी चोरी पकड़ी गयी तभी राहुल गांधी इस नतीजे पर पहुँच गये कि जब 4 किलो काग़ज़ात फ़र्ज़ी हैं तो शेष सैकड़ों किलो काग़ज़ात भी फ़र्ज़ी ही हैं। गोया अब सवाल महादेवपुरा विधानसभा का ही नहीं बल्कि देश की प्रत्येक विधानसभा और लोकसभा सीटों के चुनाव का है?

यही वजह है कि अब राहुल गाँधी देश की सभी 543 लोकसभा का वोटर डेटा मांग रहे हैं। वह इसीलिये 'मशीन रिडेबल' डेटा की मांग कर रहे हैं ताकि डेटा और फ़ोटो एनालिसिस हो सके।

कांग्रेस का मानना है कि यदि चुनाव आयोग ने मशीन डेटा दे दिया तो मात्र 7 दिनों में हर एक वोटर की पहचान हो जाएगी और एसआईआर करने की कोई आवश्यकता ही नहीं रहेगी। और मशीन डेटा से रोहंगिया, बांग्लादेशी, पाकिश्तानी, नेपाली जो भी फ़र्ज़ी मतदाता होंगे सभी सामने आ जायेंगे।

परन्तु आश्चर्य है कि भारतीय इतिहास में पहली बार नेता प्रतिपक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा चुनाव आयोग पर इतने गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं।

पूरी सरकार व प्रधानमंत्री तक को फ़र्ज़ी सरकार का फ़र्ज़ी प्रधानमंत्री बताया जा रहा है। परन्तु भाजपा व चुनाव आयोग दोनों ही एक दूसरे के पीछे छिपने की कोशिश कर रहे हैं। वही पुराना राग अलाप रहे हैं कि राहुल गांधी के आरोप 'निराधार', 'शर्मनाक' और 'लोकतंत्र का अपमान' हैं।

और भाजपा नेताओं के अनुसार ये आरोप कांग्रेस की हार से उपजी हताशा का परिणाम हैं। उन्होंने कांग्रेस को क़ानूनी राश्ता अपनाने की चुनौती दी और निर्वाचन आयोग की 'निष्पक्षता' का बचाव किया। साथ ही भाजपा ने इसे कांग्रेस द्वारा संवैधानिक संस्थानों पर हमले के रूप में वर्णित किया।

याद कीजिये केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का वह आरोप जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके लोकसभा क्षेत्र में साढ़े तीन लाख वोटरों के नाम काट दिये गए थे। किसने कटवाये थे यह नाम?

क्यों काटे गये? ऐसी अनियमिताओं की ज़िम्मेदारी चुनाव आयोग की नहीं तो किसकी है? किसके इशारे पर होता है यह काम? क्या यह देश के लोकतांत्रिक ढांचे के ख़िलाफ़ 'साजिश' नहीं? राहुल गांधी ने यह आरोप भी लगाया कि महाराष्ट्र में केवल पाँच महीनों में लगभग 40 लाख संदिग्ध मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ा गया, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर संदेह पैदा होता है। उधर महाराष्ट्र में ही कई प्रत्याशी भी यह कहते सुने गये कि भाजपा नियंत्रित अधिकांश बूथ पर शाम पांच बजे के बाद 'अनजान मतदाताओं' की बड़ी भीड़ इकठ्ठा हुई थी।

कौन थे कहां से आये थे ये मतदाता? चुनाव आयोग को नेता प्रतिपक्ष के प्रत्येक संदेह व आरोप का संतोषजनक उत्तर देना चाहिये ताकि देश और दुनिया यह जान व समझ सके कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में चुनाव निष्पक्ष संपन्न होते हैं। और जो भी ऐसी साज़शिों के स्वयंभू 'चाणक्य' हों उन्हें बेनक़ाब कर उनके विरोध देशद्रोह का मुक़ददमा चलना चाहिये।

अन्यथा राहुल से हलफ़नामा मांगने जैसी बातें करना तो उनके संगीन आरोपों से मुंह छुपाने का बहाना मात्र प्रतीत होती हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

शारदा नहर पर बनी पुलिया टूटी जांच करने रात में पहुंचे एसडीएम

बीघापुर। नगर पंचायत बीघापुर से रुझेई व कटरी क्षेत्र को जोड़ने वाली शारदा नहर पुलिया के टूटने की सूचना पर एसडीएम रात में मौके पर पहुंचे। उन्होंने एक्सईएन को फोन करके तुरंत पुलिया की मरम्मत कराकर आवागमन चालू कराने के निर्देश दिए।

लोगों ने जानकारी दी कि नहर में पानी न होने से वाहन सवार नहर के अंदर से निकल रहे हैं। दो दिन में पानी छोड़ा जाना है, पुलिया दुरुस्त न हुई तो आवागमन रुक जाएगा।

रुझेई, टिकरीमऊ, मवैया सहित गंगा कटरी क्षेत्र के कई गांवों को नगर पंचायत से जोड़ने के लिए शारदा नहर बीघापुर ब्रांच पर बनी छोटी पुलिया का किनारा लगभग 15 दिन पहले टूट गया था। इसके चलते लोग आवागमन करने के लिए पांच किलोमीटर का चक्कर लगा रहे हैं। सोमवार देर शाम पुलिया का काफी हिस्सा टूट गया।

इससे आवागमन बाधित हो गया। व्यापार मंडल के नेता गोकुल प्रसाद साहू, विजय साहू, अंबिका प्रसाद चौधरी, भगवंतखेड़ा निवासी रामगोपाल यादव व राजन पंडित ने मौके पर पहुंचे और एसडीएम के सामने दिक्कतों को रखा।

इस पर एसडीएम रनवीर सिंह रात में ही टूटी पुलिया का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने मौके से ही एक्सईएन को फोन करके पुलिया को दुरुस्त कराकर आवागमन सुचारू कराने के निर्देश दिए।

नवाब के होटल को सीजमुक्त करने का आदेश

कन्नौज। सिविल जज सीनियर डिवीजन ने नवाब सिंह यादव व नीलू के 11.63 करोड़ के होटल चंदन को सीजमुक्त करने के आदेश दिए है। इस संबंध में प्रशासन व पुलिस से आख्या मांगी है। सुनवाई के लिए तीन जनवरी की तिथि नियत की गई है। कोर्ट से इस संबंध में नौ जनवरी तक का स्टे था।

कोतवाल सदर कपिल दुबे ने गांव अड़ंगापुर निवासी पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह यादव, भाई नीलू यादव सहित अन्य के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें आरोप लगाया कि ये लोग दुष्कर्म व जानलेवा हमला जैसी घटनाओं को अंजाम देते है। डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला के आदेश पर दोनों भाइयों की संपत्ति की जांच की गई। डीएम ने 19 दिसंबर को दोनों भाइयों की संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए।

प्रशासन ने 21 दिसंबर को नवाब व नीलू का तिर्वा में स्थित 11.63 करोड़ का चंदन होटल कुर्क कर लिया था। सोमवार को पुलिस ने 5.50 करोड़ का नवाब व नीलू का बचपन प्ले स्कूल कुर्क किया था। उनके भाई सुदर्शन ने सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में पहले प्रार्थना पत्र दिया था। कोर्ट ने होटल चंदन के लिए 18 सितंबर को स्टे दे दिया था। आदेश दिया कि होटल को ध्वस्त नहीं किया जाए। उस पर अवैधानिक कब्जा नहीं किया जाए। आदेश 9 जनवरी 2025तक प्रभावी रहेगा। इसके बावजूद अवमानना कर होटल चंदन को सीज कर दिया गया। कोर्ट ने सभी पहलुओं पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए होटल चंदन को सीजमुक्त करने के आदेश दिए है। इस संबंध में आख्या भी मांगी है। तीन जनवरी को इस मामले में सुनवाई की तिथि नियत की गई है।

पुलिस लाइन की ड्यूटी में खेल, एसएसपी ने पांच सिपाहियों को किया निलंबित

बरेली , एजेंसी। बरेली में पुलिस लाइन में ड्यूटी दिखवाकर अपने गृह क्षेत्रों में सिपाहियों की मस्ती करने का मामला एसएसपी की जानकारी में आया तो उन्होंने पांच सिपाहियों को निलंबित कर दिया। विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। अन्य पर भी कार्रवाई हो सकती है। आरक्षी रजत बालियान के बारे में एसएसपी अनुराग आर्य को शिकायत मिली कि वह मेरठ व मुजफ्फरनगर में घूमकर मस्ती कर रहा है, जबकि उसकी हाजिरी अनधिकृत रूप से बरेली पुलिस लाइन में चल रही है। एसएसपी ने इस बारे में जानकारी कराई तो आरोप सही पाया गया। इस गड़बड़ी की रिपोर्ट तलब की गई। पता लगा कि लाइन के गणना कार्यालय के आरक्षी रचित कुमार, सतेंद्र सिंह, अर्पित पंवार व पवन बंसल ने रजत को रिकॉर्ड में हाजिर दिखाया है।

वाराणसी में एक श्रीलंका..., यहां के ग्रामीण मांग रहे पक्का पुल; चंदा जुटा करते हैं निर्माण

वाराणसी, एजेंसी। ई पुल बन गयल होत त गुलाब राजभर क पतो मोना (24) बच गयल होतीन। फुलवरिया जाय बदे ओनकरे परिवार क लोगन पिसौर पुले से होके अस्पताल लेके गइलन। मोना के बच्चा ते पैदा हो गयल लेकिन ओन ना बच पइलिन। दनियालपुर जब से टूटल हौ तब से पूरा गांव क मनई परेसान हो गयल हउवन...।

यह कहते-कहते 61 वर्षीय मुनकी दानियालपुर-फुलवरिया पुल की ओर देखने लगती हैं, जो दुर्गंध मार रहे वरुणा नदी पर थी। वह टूट चुकी थी। बांस-बल्ली और लकड़ियों को नदी का पानी बहा ले गया था। पुल का आधा हिस्सा नदी में ही टंगा हुआ है। उधर, गांव वाले हर साल की भांति इस साल भी चंदा इकट्ठा कर रहे हैं। जल्द ही पुल को इस बार भी बना लिया जाएगा तो गांव वालों को स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं सुचारू रूप से मिलने लगेंगी। गांव के लोग आज भी पक्का या पीपा पुल का सपना देख रहे हैं।

दानियालपुर गांव में मात्र एक प्राइमरी स्कूल है। गांव के लड़के और लड़कियां फुलवरिया के प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने जाते हैं, लेकिन इस पुल (चहवा) के टूट जाने से उनकी पढ़ाई-लिखाई के साथ ही अन्य काम भी प्रभावित हो रहे हैं। गांव के 66 वर्षीय शहादुल पटेल ने बताया कि जिन्हें सायकिल चलाने नहीं आती वे बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। यहां अधिकतर लड़कियां सायकिल नहीं चला पातीं, इसलिए वे भी घर पर बैठ गई हैं। इस वक्त अन्य बच्चे पिसौर पुल से स्कूल जा रहे हैं, लेकिन उन्हें सात से आठ किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ता है।

गांव की अनोखी विशेषता

इस गांव को श्रीलंका का टापू भी कहा जाता है, क्योंकि इसके पूरब-पश्चिम और दक्षिण की तरफ वरुणा नदी बहती है। उत्तर की तरफ शिवपुर रेलवे स्टेशन है। हर साल जुलाई के बाद यह पुल बारिश के कारण बह जाता है। तीन-चार महीने के बाद इसे दोबारा बनाया जाता है। गांव वाले चंदा इकट्ठा करते हैं। बंसवाड़ी से बांस काट बजरिए वाहन नदी किनारे लाकर 15-20 दिन में इस चहवा को तैयार किया जाता है, जिसका काम अब शुरू हो चुका है।

पिसौर वार्ड नंबर 49 के पार्षद गोविंद पटेल ने बताया कि पिछले लोकसभा चुनाव यानी 2019 में सेतु निगम ने पुल के लिए सर्वे किया था। लेखपाल ने सीमांकन किया। निशान भी बना दिए गए, लेकिन कुछ महीने बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। वे बताते हैं कि दानियालपुर पांच से छह किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां की आबादी तकरीबन छह से सात हजार है। इस पुल के माध्यम से यहां के लोगों को काफी सहूलियत हो जाती है। उन्होंने बताया कि इसके प्रस्ताव को नगर निगम में पेश किया जाएगा।

गांव के क्षेत्रफल के हिसाब से यहां के लोगों ने एक राजकीय विद्यालय और खेलकूद के मैदान की भी मांग की है। पार्षद ने बताया कि गांव वालों ने अपनी काफी जमीनों को यहां के विकास के लिए दे दिया। यही कारण है कि यहां पिच-सीसी रोड और इंटरलॉकिंग का कार्य हो सका। गांव में अभी तक चकबंदी नहीं हुई है। यहां काफी जमीनें हैं, जहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र खोले जा सकते हैं। जल्द ही इस पर भी काम किया जाएगा।

तीनों तरफ वरुणा नदी से घिरे दानियालपुर गांव के कई खेत बाढ़ में डूब जाते हैं। बाढ़ जाने के बाद यहां की स्थिति और भी बद्तर हो जाती है। हर वक्त पानी में दुर्गंध उठती रहती है। इसका कारण पूछने पर गांव के सूरज, चंद्रप्रकाश, अनिल, राजू, खरपत्तू सहित कई महिलाओं ने बताया कि भिटारी के पास रेलवे का कारखाना है, जहां से भारी मात्रा में गंदगी वरुणा में ही गिराई जाती है। सारी गंदगी नदी के मोढ़ पर इकट्ठा हो जाती है। इस कारण मछलियां तो मरती ही हैं, साथ ही पानी भी गंध मारने लगता है।

क्या कहते हैं सांसद

चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह ने बताया कि शिवपुर विधानसभा के इस गांव की समस्या के बारे में मुझे जानकारी है। 2007 में मैंने ही यहां बांस की पुलिया बनवाई थी। इससे लोगों को काफी लाभ हुआ इसलिए हर साल चंदा इकट्ठा कर गांव वाले इसे बनवा रहे हैं। यह मामला विधानसभा से जुड़ हुआ है, फिर भी गांव के लोगों का मुझसे काफी जुड़ाव है। मैं इसको संज्ञान में लेकर संबंधित लोगों से बातचीत कर यहां पक्का या पीपा पुल का निर्माण करवाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि रेलवे से गंदगी वाली जो समस्या है, इसकी जांच कर समाधान करवाउंगा।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा का मॉक ड्रिल, रनवे पर विमान हादसे के दौरान बचाव और राहत का अभ्यास

वाराणसी , एजेंसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मंगलवार को मॉक ड्रिल की गई। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि यह ड्रिल दो वर्ष में एक बार की जाती है। इसका उद्देश्य विमान दुर्घटना की स्थिति में आपातकालीन सेवाओं की तैयारी और प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना है। ड्रिल में पुलिस, अग्निशमन, एयरपोर्ट अग्निशमन, स्थानीय पुलिस, सीआईएसएफ और एयरपोर्ट से संबंधित सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। रनवे पर एक बस को विमान के रूप में खड़ा किया गया था और ड्रिल के दौरान आपातकालीन सेवाएं अपनी भूमिका निभाती दिखाई दीं। ड्रिल के दौरान विमान दुर्घटना की स्थिति में बचाव और राहत कार्यों का अभ्यास किया गया। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह ड्रिल विमान दुर्घटना की स्थिति में तैयारी और प्रतिक्रिया को मजबूत बनाने के लिए किया गया है।

दो बाइकों को टक्कर मारते हुए पोल से टकराकर पलटा ट्रक

सफीपुर। ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित ट्रक दो बाइक में टक्कर मारते हुए बिजली के पोल से टकराने के बाद पलट गया। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

हरदोई से भूंसी लादकर उन्नाव जा रहे ट्रक का सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के जमलदीपुर के पास ब्रेक फेल हो गया। इससे ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के विपरीत दिशा में पहुंच गया। ट्रक बाइक सवार हसनगंज कोतवाली के कमलेश कुमार (28) और अजगैन के जगदीश (25) को टक्कर मारते हुए बिजली के पोल से टकराकर खंती में पलट गया। राहगीरों ने दोनों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। ट्रक चालक हरदोई निवासी सूरज ने बताया कि ब्रेक फेल होने से सामने से आए वाहन को बचाने में घटना हो गई।

स्कूल से गायब हेडमास्टर व दो शिक्षकों पर कार्रवाई

सरैंया , एजेंसी। बीईओ सिराथू के निरीक्षण में प्राथमिक विद्यालय सरैंया के प्रधानाध्यापक व दो शिक्षक अनुपस्थित रहे। बीईओ ने सभी का वेतन रोक दिया। इसके साथ ही निपुण आकलन का निरीक्षण किया। सिराथू बीआरसी के 12 विद्यालयों में मंगलवार को निपुण आकलन परीक्षा हुई। बीईओ ने इसका निरीक्षण किया। बीईओ प्राथमिक विद्यालय सरैया पहुंचे तो यहां तैनात प्राध्यापक कृष्ण कुमार पांडेय, शिक्षक कुमारी उषा व संजय कुमार नहीं मिले। बीईओ ने तीनों का वेतन रोक दिया। वहीं, 14 विद्यालयों में परीक्षा हुई। बताया कि परीक्षा में 90 प्रतिशत बच्चे मौजूद रहे।

होटल का भंडाफोड़ करने वाली महिला को धमकी

गुरसहायगंज। सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ कर अवैध रूप से संचालित होटल को बंद कराने वाली महिला पर हमला कर घायल करने वाले दबंग फिर से धमकी दे रहे हैं। मामले में एसपी को प्रार्थना पत्र दिया गया है।

कस्बे के मोहल्ला रामकृष्ण नगर में संचालित एक होटल में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ मोहल्ले के लोगों ने कर अवैध रूप से संचालित होटल को बंद करवा दिया था। इससे नाराज होटल संचालक के समर्थकों ने 16 दिसंबर को देर रात रैकेट का भंडाफोड़ करने और अनैतिक कार्य का विरोध करने वाली महिला रेनू चतुर्वेदी पर घर में घुसकर हमला बोल दिया था। वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। मामले में तीसरे दिन मंगलवार को पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आरोपियों पर कठोर करवाई न होने से उनके हौसले बुलंद हैं। रेनू चतुर्वेदी के पति देवनारायण चतुर्वेदी ने एसपी अमित कुमार आनंद को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा कि होटल संचालक के समर्थकों ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हो जाने से नाराज होकर पत्नी पर हमला बोल दिया था। इसके बावजूद पुलिस ने करवाई नहीं की। उन्होंने दबंग लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मौसम ने लिया यू-टर्न, पारा गिरने के साथ ही बढ़ी गलन

इन जिलों के लिए जारी हुई ओले गिरने की चेतावनी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में मंगलवार को बूंदाबांदी से मौसम बदल गया। लोगों ने गलन महसूस की। बूंदाबांदी व बादलों की मौजूदगी से दिन के पारे में 4.1 डिग्री की गिरावट से हवा में ठंडक घुल गई। सोमवार की रात के पारे में 5.3 डिग्री तक का उछाल रहा, जो सामान्य से 5.7 डिग्री अधिक रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अगले 48 घंटों में रात के पारे में दो से चार डिग्री तक की गिरावट के आसार हैं।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से 27 से 28 दिसंबर के बीच फिर से हल्की से मध्यम बूंदाबांदी के आसार जताए गए हैं। दिन व रात के पारे में गिरावट के साथ सर्दी बढ़ेगी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 19.6 डिग्री और रात का पारा 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बूंदाबांदी से राजधानी की हवा की सेहत में थोड़ा सुधार देखने को मिला। मंगलवार को छह वायु प्रदूषण मापक स्टेशनों में से सिर्फ लालबाग की हवा लाल यानी बेहद खराब और अलीगंज की हवा नारंगी यानी खराब श्रेणी में रही। गोमतीनगर, बीबीएयू, कुकरैल और तालकटोरा की हवा पीली यानी मध्यम श्रेणी में दर्ज हुई।

उत्तर प्रदेश में बूंदाबांदी संग मौसम ने करवट लिया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटे में रात के पारे में 2 से 4 डिग्री तक की गिरावट आएगी। अगले दो दिन तात्कालिक तौर पर मौसम साफ रहने के संकेत है। 27 दिसंबर से बारिश के साथ दिन व रात के तापमान में फिर से बदलाव दिखेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के असर से 27 व 28 दिसंबर को प्रदेश विभिन्न इलाकों गरज चमक के साथ हल्के से मध्यम बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। इस बीच तराई इलाकों के साथ ही आगरा आदि में ओले गिरने की भी संभावना है। साथ ही दिन व रात के पारे में गिरावट के साथ सर्दी बढ़ेगी।

सोमवार की देर रात से ही पश्चिमी यूपी के विभिन्न इलाकों में गरज के साथ पड़ी फुहारों के बाद मंगलवार को सुबह राजधानी लखनऊ समेत कानपुर, आगरा, बरेली और मेरठ आदि में हल्की बारिश देखने को मिली। ज्यादातर इलाकों में तापमान में उतार चढाव के बीच दिन भर बादल छाए रहे।

दिन में बढ़ी गलन

बादलों की मौजूदगी और बारिश की वजह से दिन के पारे में गिरावट से हवा में गलन भी रही। हालांकि सोमवार की रात के पारे में उछाल देखने को मिला। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में अगले 48 घंटे में दिन व रात दोनों के तापमान में उतार-चढाव देखने को मिलेगा। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों पर बर्फबारी से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में ठंड बढ़ गई। जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग समेत पर्वतीय इलाके बर्फ की सफेद चादर से ढक गए हैं। लगातार हिमपात ने दुश्वारियां भी बढ़ा दी हैं। कई हाईवे और सड़कें बंद हैं। वहीं, हिमाचल के रोहतांग व कूफरी में भारी बर्फबारी के चलते 10 हजार सैलानी फंस गए, जिन्हें सुरक्षित निकाला गया। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के कारण तीन एनएच और 115 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। बर्फ हटाने के लिए 268 मशीनें तैनात की गई हैं। 70 विभागीय जेसीबी, 96 किराये की मशीनें, 13 उन्नत स्नो ब्लोअर और 13 बुलडोजर वर्तमान में काम कर रहे हैं। पंजाब में घना कोहरा देखने को मिला है। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा में बारिश भी हुई। राजस्थान के गंगानगर, अनूपगढ़, चुरू और बीकानेर में 10 मिमी तक बारिश हुई। राजस्थान में अगले तीन दिन और मध्य प्रदेश में अगले 4 दिन ओले-बारिश का अलर्ट है। इसके चलते राजस्थान सरकार ने 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी है।

किसानों की गांधीगीरी... तीन किमी तक लेटकर आंदोलन, सड़क पर बैठकर अफसरों को सुनाई खूब खरी-खोटी

मुजफ्फरनगर , एजेंसी। मुजफ्फरनगर के चरथावल में विभिन्न मांगों को लेकर भाकियू की पंचायत में अफसरों के नहीं पहुंचने से नाराज किसानों ने लेटकर जिला मुख्यालय की ओर कूच कर दिया। एसडीएम सदर निकिता शर्मा और सीओ राजू कुमार साव ने किसानों के काफिले को रोककर समस्याओं के निदान का भरोसा दिया। शाम सात बजे मुजफ्फरनगर मार्ग पर एक सप्ताह में मांगों पर ठोस कार्रवाई करने सहमति के बाद धरनारत किसान शांत हुए।

पिछले आंदोलनों में आश्वासन के बावजूद किसी मुद्दे पर मांग पूरी न होने पर किसानों ने अफसरों को सड़क पर बैठाकर नाराजगी जताई। मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजे भाकियू युवा के मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा के नेतृत्व में पंचायत शुरू हुई। दो घंटे तक संबंधित विभाग के अफसरों के नहीं पहुंचने पर गुस्साए किसानों ने जिला मुख्यालय की ओर कूच कर दिया। किसान सड़क पर लेटकर जिला मुख्यालय की ओर बढ़े।

पूर्व पंचायत में विकास शर्मा ने कहा चरथावल-थानाभवन मुख्य मार्ग के निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री प्रयुक्त किए जाने की जांच एवं दोषी अफसरों पर कार्रवाई करने, चकबंदी विभाग में किसानों का उत्पीड़न, दो बार आंदोलन के बावजूद सिकंदरपुर गांव में हिंडन नदी पर स्थायी पुल नहीं बनने, सिचाई विभाग की नहरों और

रजबहों की सफाई में घोटाले की जांच कराई जाएं। चरथावल कस्बे में मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण का रुका कार्य अफसरों और व्यापारियों के बीच हुई सहमति के मुताबिक जल्द शुरू कराया जाए।

चरथावल कस्बे में पाइप लाइन की वजह से कस्बे की तमाम सड़कों को तोड़कर गड्ढे बना दिए हैं। कस्बे की सड़कों को पुनः निर्माण कराया जाए। भुगतान समय से नहीं मिलने के कारण क्षेत्र के कई गांवों के किसान थानाभवन की बजाज शुगर मिल को गन्ना आपूर्ति नहीं करना चाहते हैं। उनकी व्यवस्था गन्ना विभाग दूसरी मिल के केंद्रों पर कराए।

जिला गन्ना अधिकारी संजय सिसौदिया और रोहाना और बिरालसी गन्ना समिति सचिव एसपी सिंह ने मौके पर कहा कि समस्या के संबंध में गन्ना आयुक्त लखनऊ को प्रस्ताव भिजवाया जाएगा। मंडल युवा महासचिव निखिल चौधरी, रूपक चौधरी, नगराध्यक्ष सौरभ त्यागी, राहुल त्यागी, राज सिंह ठाकुर, पप्पू राणा, सोनू ठाकुर, ग्राम अध्यक्ष ज्ञानामाजरा रूपक चौधरी आदि मौजूद रहे।

पहले दौर की वार्ता विफल

एसडीएम सदर एवं कई विभाग के अफसर चरथावल पहुंचे। उन्होंने कमला फार्म के सामने किसानों के जत्थे को रोककर समस्याएं सुनीं। लेकिन ठोस आश्वासन नहीं मिलने के कारण वार्ता विफल हो गई। पुनः किसानों का काफिला यहां से आगे बढ़ गया। सांझ ढलने और अंधेरे में पुलिस बल के साथ अफसर आगे चलते रहे। इससे पूर्व चकबंदी विभाग और सिचाई विभाग के अफसरों को सड़क पर बैठाकर प्रदर्शनकारियों ने खरी खोटी सुनाई। हिंडन पर स्थायी पुल नहीं बनने को लेकर खासी नाराजगी रही।

धरने पर दो किसानों की बिगड़ी हालत

ब्लॉक अध्यक्ष पवन त्यागी चौकड़ा एवं मनोज शर्मा महरायपुर के किसानों की हालत ठंड में बिगड़ गई। एसडीएम सदर ने दोनों को सीएचसी में उपचार के लिए भेजा। एसओसी, चकबंदी अधिकारी रामकेश, तहसीलदार सदर राधेश्याम, नायब तहसीलदार हरेंद्र पाल सिंह, राजस्व निरीक्षक प्रवीण गुप्ता आदि कई विभाग के अधिकारी काफिले के साथ मौजूद रहे। करीब सात घंटे पंचायत और प्रदर्शन में वार्ता का दौर चला। शाम देर शाम सात बजे डीसीओ के मौके पर आने के बाद सहमति बनी। किसानों की समस्याओं को एक सप्ताह में नियमानुसार पूरा कराने पर भरोसा दिया। कस्बे से तीन किलोमीटर दूर संजीवनी हॉस्पिटल के सामने हुई दूसरे दौर की वार्ता के बाद किसान लौट गए।

बॉक्सिंग डे टेस्टः

ऑस्ट्रेलिया ने घोषित की अपनी प्लेइंग 11, ट्रेविड हेड हुए फिट

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच के लिए मेजबान ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। इस टीम में ट्रेविस हेड को खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया है। यह बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच होगा जो ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला जाएगा।

कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि उनकी टीम इस मुकाबले में दो बदलावों के साथ उतर रही है, जिसमें सैम कोन्टास नाथन मैकस्वीनी की जगह लेंगे और स्कॉट बोलैंड चोटिल जोश हेजलवुड की जगह पर खेलेंगे।

19 साल के कोन्टास के लिए यह खास पल होने जा रहा है क्योंकि इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने उनसे कम उम्र का टेस्ट डेब्यूटेंट साल 2011 में उतारा था। तब पैट कमिंस को 18 साल की उम्र में खेलने के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि कोन्टास ऑस्ट्रेलिया के सबसे युवा ओपनर होंगे और उस्मान ख्वाजा के साथ उनकी उम्र का अंतर काफी ज्यादा होगा।

वहीं, स्कॉट बोलैंड पिछले 18 महीने में भारत के खिलाफ एडिलेड टेस्ट मैच में बढ़िया वापसी करके अपनी गेंदबाजी की धार का प्रदर्शन कर चुके हैं। हालांकि जोश हेजलवुड की चोट के चलते ही उनकी तब वापसी हुई थी। एक बार फिर से बोलैंड टीम में अपनी काबिलियत साबित करने के लिए तैयार होंगे।

झउन्होंने एडिलेड टेस्ट में शानदार गेंदबाजी की थी, जिसमें कंगारूओं ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी। बॉर्डर गावस्कर सीरीज के मौजूदा स्थिति की बात करें तो भारत ने पहला टेस्ट पर्थ में 295 रनों से जीता था। इसके बाद अगले पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर सीरीज बराबर की थी। तीसरा मैच बारिश से प्रभावित रहा और ड्रॉ रहा। यह मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा में खेला गया था। अब दोनों टीमें बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के लिए तैयार हैं।

चौथे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवनः

उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड

ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग

बुमराह ने 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए, अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी की

ICC टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	रेटिंग
1	जसप्रीत बुमराह	इंडिया	904
2	कागिसो रबाडा	साउथ अफ्रीका	856
3	जोस हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	852
4	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	822
5	रविचंद्रन अश्विन	इंडिया	789
6	मैट हेनरी	न्यूजीलैंड	782
7	नाथन लायन	ऑस्ट्रेलिया	770
8	प्रभाथ जयसूर्या	श्रीलंका	768
9	नोमान अली	पाकिस्तान	759
10	रवींद्र जडेजा	इंडिया	755

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल कर लिए हैं। उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इससे पहले, भारत के लिए अश्विन ने इतने रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए थे। इन दोनों के अलावा कोई अन्य भारतीय यह कारनामा नहीं कर सका है।

अश्विन को इतने रेटिंग पॉइंट्स दिसंबर 2016 में मिले थे। बॉलिंग रैंकिंग में रबाडा दूसरे नंबर पर बुमराह ने अब तक बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीन शुरुआती मैचों में 21 विकेट लिए हैं। वे टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर बरकरार है। साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा (856) इस समय दूसरे और ऑस्ट्रेलियाई पेसर जोश हेजलवुड (852) तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, रविंद्र जडेजा को विकेट ना मिलने से नुकसान हुआ है और वे टॉप 10 से बाहर हो गए हैं।

केएल राहुल को 10 स्थान का फायदा एडिलेड में शतक के बाद गाबा में 152 रन की शानदार पारी खेलने वाले ट्रैविस हेड 825 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि तीसरे टेस्ट में उनके हमवतन स्टीव स्मिथ के शतक ने उन्हें एक बार फिर टॉप-10 में पहुंचा दिया है।

एक ही टीम में भारत-पाकिस्तान के ये खिलाड़ी, अभिषेक शर्मा बने कप्तान, पाक के दो प्लेयर्स को मिली जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट में अलग-अलग देशों की क्रिकेट टीमों के अलग-अलग खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करके विश्व क्रिकेट में अपने नाम का डंका बजाया है. इसमें भारत के अभिषेक शर्मा-नीतीश कुमार रेड्डी से लेकर पाकिस्तान के सैम अयूब और इंग्लैंड के जैकब बेथेल तक का नाम शामिल है. हम आपके लिए साल 2024 के उन युवा और नए सितारों की बेस्ट प्लेइंग इलेवन लेकर आए हैं जिन्होंने इस साल इंटरनेशल क्रिकेट में धमाल मचाया.

साल 2024 की बेस्ट प्लेइंग इलेवन के कप्तान के तौर पर भारत के अभिषेक शर्मा चुने गए हैं. वे ओपनर भी हैं. वहीं उनके बैटिंग पार्टनर हैं पाकिस्तान के सैम अयूब. इसके बाद नंबर तीन पर इंग्लैंड की नई सनसनी 21 वर्षीय जैकब बेथेल हैं. नंबर चार पर भारत के आईपीएल स्टार रियान पराग और पांच पर पाकिस्तान के कामरान गुलाम को जगह मिली है. विकेटकीपर के रूप में इंग्लैंड के 24 वर्षीय के जेमी स्मिथ शामिल हुए. बतौर ऑल राउंडर भारत के नीतीश कुमार रेड्डी 7वें नंबर पर हैं. वहीं गेंदबाजों के रूप में आठवे नंबर पर अफगानिस्तान के अल्लाह गजनफर. नौवें नंबर पर न्यूजीलैंड के विलियम ओरुर्के, 10वें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के 18 वर्षीय क्वेना मफाका और इस प्लेइंग इलेवन के अंतिम खिलाड़ी इंग्लैंड के शोएब बशीर हैं.

ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि भारत आगे हैः शास्त्री

मेलबर्न, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि गुरुवार से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले भारत आगे है।

पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ फिलहाल 1-1 से बराबर है। मुझे लगता है कि यह काफी कमज़ोर रही है। जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप को देखते हैं, तो मुझे बहुत समय हो गया है जब मैंने ऐसा ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप देखा है जिसमें शीर्ष क्रम इतना कमज़ोर हो।

भारत ने इसका फ़ायदा उठाया है और आगे भी उठाता रहेगा। शास्त्री से कहा, मुझे लगता है कि यह एक शानदार मैच होने वाला है। मुझे लगता है कि भारत इस सीरीज़ को जीत लेगा, जिस तरह से यह सीरीज़ आगे बढ़ रही है। कोई भी विदेशी टीम 1-1 से बराबरी पर हो, खासकर जब मैच पर्थ, एडिलेड और ब्रिसबेन में हो, तो वे इसे जीत लेंगे। बॉक्सिंग डे में 1-1 से बराबरी पर जाना सबसे अच्छी स्थिति है। मैं कहूंगा कि भारत आगे है। उन्होंने सैम कोंस्टास के बारे में भी अपना दृष्टिकोण साझा किया, जो एमसीजी में अपना टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, पहले तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद नाथन मैकस्वीनी को बाहर कर दिया गया था। युवा कोंस्टास के लिए सबसे बड़ी चुनौती 21 विकेट लेकर मौजूदा सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मुकाबला करना होगा।

भारत सीरीज में 1-1 से बराबर है और उस आदमी (बुमराह) ने अकेले ही भारत को उस स्थिति में पहुंचा दिया है। जहां तक कोंस्टास की बात है, मुझे लगता है कि वह बहुत तरोताज़ा है। उसके पास प्रतिभा है, वह शानदार है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट तो टेस्ट क्रिकेट है। मुझे लगता है कि उसकी तकनीक और बेहतर होगी और वह ऑस्ट्रेलिया का भविष्य बनेगा। शास्त्री ने कहा, मैकस्वीनी बहुत बदकिस्मत था। मुझे लगा कि उसने कड़ी मेहनत की है, लेकिन वह एक मध्यक्रम का बल्लेबाज है। मैं उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम के श्रीलंका जाने पर वहां जाते हुए देखता हूं और वहां से अपना करियर फिर से बनाता हूं । लेकिन मुझे लगता है कि कोंस्टास को शामिल करना एक अच्छा कदम है, क्योंकि आपको किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो भारतीय टीम पर आक्रमण कर सके, क्योंकि प्रहार कहीं से भी आ रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि भारत ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतेगा, इससे पहले 2018/19 और 2020/21 में भी भारत ने यहां जीत दर्ज की थी। बहुत बढ़िया। लंबे समय से किसी भी टीम ने ऐसा नहीं किया है। ऑस्ट्रेलिया जब भी यहां आता है, तो वह टीमों पर भारी पड़ता है। भारत के लिए लगातार तीन सीरीज जीतना कुछ खास होगा।

लेकिन उन्हें अच्छा क्रिकेट खेलना होगा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया इस टेस्ट मैच में कड़ी टक्कर देगा, खासकर गेंदबाजों के साथ। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बल्लेबाजी होगी। भारत यहां जीतने के लिए आया है, वह यहां नंबर बढ़ाने के लिए नहीं आया है। जब मैं कोच था, तब भी हमारा मंत्र बेहद कड़ी मेहनत, निष्पक्षता और जीत हासिल करना था। आपको ऑस्ट्रेलिया को हराने का तरीका सोचना होगा, न कि सिर्फ प्रतिस्पर्धा करना। आपको सही तरीके से योजना बनानी होगी कि अपने 20 विकेट कैसे लें। भारत ने ऐसा किया है और बहुत आक्रामक रहा है।

शास्त्री ने कहा, वे ऑस्ट्रेलिया के सामने हैं और जितना हो सके उतना अच्छा प्रदर्शन किया है। यह मनोरंजक और जोशपूर्ण रहा है। भारत आगे है। मुझे लगता है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट का पहला दिन तय करेगा कि सीरीज किस तरफ जाएगी। रविचंद्रन अश्विन के अचानक अंतरराष्ट्रीय संन्यास के बाद, शास्त्री ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय टीम के बल्लेबाजी विभाग में जल्द ही नए चेहरे आएंगे। बल्लेबाजी विभाग में, मैं एक या दो साल में कुछ नए चेहरे देख सकता हूं। जायसवाल युवा हैं। शुभमन गिल काफी युवा हैं, ऋषभ पंत अभी भी बहुत युवा हैं। मिश्रण में काफी अन्य खिलाड़ी हैं जो बहुत जल्द आ सकते हैं।

मनु भाकर विवाद के बीच अब इस खिलाड़ी का दावा, खेल रत्न पुरस्कार में किया जा रहा भेदभाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए मनु भाकर के नाम की सिफारिश नहीं किए जाने पर मचे बवाल में अब पैरा तीरंदाज हरविंदर सिंह की एंट्री हो गई है।

उन्होंने मंगलवार को खेल पुरस्कार देने में भेदभाव का आरोप लगाया है। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। हरविंदर ने इससे पहले टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने फाइनल में पोलैंड के लुकास सिसजेक को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

खेलों में भेदभाव

हरविंदर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, खेलों में भेदभाव। उन्होंने कहा, टोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया लेकिन पेरिस 2024 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं का क्या? वही प्रतियोगिता, वही स्वर्ण, वही गौरव - वही पुरस्कार क्यों नहीं? टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली निशानेबाज अवनि लेखरा, भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल और बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के साथ खेल रत्न से सम्मानित किया गया था।

कोंस्टास दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि वह अच्छे हैंः रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि सैम कोंस्टास में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में अपनी छाप छोड़ने की क्षमता है, उन्होंने कहा कि किशोर बल्लेबाज में दुनिया को यह दिखाने का जज्बा है कि वह अच्छे हैं। 19 वर्षीय कोंस्टास गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 90,000 से अधिक प्रशंसकों के सामने बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, उन्हें नाथन मैकस्वीनी की जगह टीम में शामिल किया गया है।

2024 अंडर-19 पुरुष विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम के सदस्य कोंस्टास ने कैनबरा के मनुका ओवल में भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री 11 की ओर से खेलते हुए शतक बनाया था। कोंस्टास ने 11 प्रथम श्रेणी मैचों में 42.2 की औसत से 718 रन बनाए हैं। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, मैंने बहुत कुछ देखा है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वहां बहुत प्रतिभा है। जिस तरह से उन्होंने पीएम 11 मैच में खेला (उन्होंने भारतीयों के खिलाफ 107 रन बनाए), जिस तरह से वह उस रात अपने पहले बीबीएल गेम

में खेलने में सक्षम थे। मुझे पता है कि यह अलग-अलग प्रारूप हैं, लेकिन आप देख सकते हैं कि प्रतिभा वहां है और इसके साथ थोड़ा रवैया भी है। यह कोई बुरा रवैया नहीं है, (लेकिन) ऐसा रवैया है कि वह जानता है कि वह अच्छा है और वह दुनिया को दिखाना चाहता है कि वह अच्छा है। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ कोंस्टास के सामने आने वाली चुनौती के बारे में बात करते हुए पोंटिंग ने कहा, अभी भी एक चुनौती है। यह एक टेस्ट मैच है।

यह आपका पहला टेस्ट मैच है। आप दुनिया के कुछ बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ खेल रहे हैं। विश्व क्रिकेट में शायद इससे बड़ी कोई चुनौती नहीं है। यह किसी भी अन्य देश की तरह है जो हमारे गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में पदार्पण कर रहा है, जब आपके पास स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड हैं।

बुमराह निश्चित रूप से इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे अलग और शायद अग्रणी तेज गेंदबाज रहे हैं। इसलिए कोंस्टास के लिए वहां एक बड़ी चुनौती होगी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

एशियाड स्वर्ण पदक विजेता एथलीट हिमा दास पर 16 माह का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था। नाडा की टीम तीन बार उनके दिए पते पर सैंपल लेने पहुंची, लेकिन तीनों ही बार वह नहीं मिलीं।

जकार्ता एशियाई खेलों में दो स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाली देश की स्टार एथलीट हिमा दास पर व्हेयर अबाउट फेल्योर (टेस्ट के लिए ठिकाने का पता नहीं बताना) के लिए 16 माह का प्रतिबंध लगाया गया है। उन पर यह प्रतिबंध 22 जुलाई, 2023 से लगाया गया है। विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) और राष्ट्रीय डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने हिमा पर मामले के आपसी समाधान समझौते के तहत यह प्रतिबंध लगाया है। वरना उन पर दो वर्ष का भी प्रतिबंध लग सकता था। हालांकि इस प्रतिबंध की अवधि इस वर्ष 22 नवंबर को समाप्त हो गई है।

हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था।

235 रन ठोकने वाले केएल राहुल को ओपनिंग से हटाया

इंडिया-ऑस्ट्रेलियाः

नईदिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल अब ओपनिंग नहीं करेंगे? टीम में गिल की पोजिशन भी छिन जाएगी? बेशक इन बातों पर आप यकीन करें या नहीं, लेकिन जो उड़ती-उड़ती खबर आ रही है, वो ऐसा होने के संकेत दे रहे हैं. खबरों के मुताबिक, मेलबर्न में खेले जाने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट में केएल राहुल, सीरीज के पिछले 3 टेस्ट की तरह पारी की शुरुआत नहीं करते दिख सकते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि स्लॉट पर यशस्वी जायसवाल के साथ रोहित शर्मा के ओपन करने की खबरें

चल रही हैं. वहीं केएल राहुल को लेकर कहा जा रहा है कि वो नंबर तीन पर बैटिंग कर सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक नंबर 3 पर शुभमन गिल खेलते दिख रहे थे. लेकिन, मेलबर्न में राहुल के नंबर तीन पर खेलने की खबर का मतलब है कि गिल से उनकी पोजिशन का छिन जाना. शुभमन गिल हो सकता है तब नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते दिखें. वैसे, इससे उतना फर्क नहीं पड़ने वाला जितना असर केएल राहुल को ओपनिंग से हटाकर दिखने वाला है. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पर्थ से ब्रिसबेन तक खेले पहले 3 टेस्ट में केएल राहुल ने हरेक में पारी की शुरुआत यानी कि ओपनिंग की है. इन 3 टेस्ट की 6 पारियों में 47 की औसत से उन्होंने 235 रन बनाए हैं. ऐसा कर वो मौजूदा टेस्ट सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. वहीं, सीरीज में ओवरऑल सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में वो ट्रेविस हेड के बाद दूसरे नंबर के बल्लेबाज हैं.

अब जैसी की खबरें हैं कि केएल राहुल नंबर 3 पर बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेल सकते हैं, तो आइए जान लेते हैं कि इस पोजिशन पर टेस्ट में उनका रिकॉर्ड कैसा है? राहुल ने नंबर पर कुल 5 पारियां खेली हैं, जिसमें उन्होंने 17.60 की औसत से 88 रन बनाए हैं. ये टॉप के किसी भी बैटिंग ऑर्डर पर उनका सबसे बेकार रिकॉर्ड तो है ही.